RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

पटना, वर्षः 6 , अंकः225, शनिवार, 23 अगस्त 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 ☎ 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

राहुल गांधी के वोटर अधिकार यात्रा के तहत आगमन की तैयारी को लेकर.... 03

अनिशा दुबे को मिलेगा अंग महिला सम्मान 04

मैं जल्दबाजी में नहीं, बस सही प्रोजेक्ट चुनना चाहती हूंः सई मांजरेकर 07

यूपी के मुरादाबाद में ‘बैंड बाजा बारात’ पर संकट

● देवी-देवताओं के नाम पर फंसे मुस्लिम संचालक!

मुरादाबाद (एजेंसी)। यूपी का मुरादाबाद जिला अक्सर विवादों के साये में रहता है। यहां एक और नया विवाद पैदा हो गया है। दरअसल शहर के एक वकील साहब ने सीएम पोर्टल पर ऐसी शिकायत कर दी कि पुलिस पसोपेश में पड़ गई। वकील शेबी शर्मा का आरोप है कि मुस्लिम बैंड संचालक पहचान छिपाकर हिंदू देवी-देवताओं के नाम से बैंड पार्टी चला रहे हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों को बुलाकर बातचीत की है। बताया जा रहा है कि पुलिसवालों ने मुस्लिम बैंड वालों से हिंदू देवी-देवताओं के नाम हटाने के लिए कहा है। इस पर बैंडवालों ने समय मांगा है। हालांकि, पुलिस ने कोई आदेश नहीं जारी किया है। यह पूरा विवाद इतना बढ़ा कि एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह तक पहुंच गया। बैंडबाजा वालों का कहना है कि हम लोग सालों से इसी नाम से बैंड चला रहे हैं। उनका जो नाम चला आ रहा है उसे कैसे बदल सकते हैं। आपको बता दें कि मुरादाबाद शहर में 500 से ज़्यादा बड़े और छोटे बैंड संचालित होते हैं। कम से कम 20 प्रतिष्ठित बैंड के मालिक मुस्लिम समुदाय से हैं। इस घटना ने मुरादाबाद में सांप्रदायिक सौहार्द्र को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। कुछ लोगों का मानना है कि यह शिकायत अनावश्यक है और इसका उद्देश्य केवल मुस्लिम समुदाय को बदनाम करना है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि यह शिकायत जायज है और मुस्लिम बैंड संचालकों को हिंदू देवी-देवताओं के नाम का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। वकील शेबी शर्मा का कहना है कि जिस प्रकार कांवड़ रूट पर दूसरे समुदाय के लोगों द्वारा हिंदू देवी देवताओं के नाम पर होटल संचालित करने पर कार्रवाई हुई थी। उसी तरह इन बैंड बाजा कंपनियों पर भी कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं, बैंड कंपनियों का कहना है कि उन्हें दिसंबर तक का समय देना चाहिए क्योंकि तब तक लगन का सीजन रहेगा। उनका बहुत नुकसान हो जाएगा।

न डरूंगी, न थकूंगी और न ही मैं हारूंगी...

हमले के बाद दिल्ली की सीएम ने भरी हुंकार

नई दिल्ली (एजेंसी) सीएम आवास में जनसुनवाई के दौरान हुए हमले के दो दिन बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पहली सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने दो टूक कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाती हूं, आपकी मुख्यमंत्री दीदी न डरेंगी, न थकेंगी, न हारेंगी। जब तक दिल्ली को उसका अधिकार नहीं मिल जाता, वो आपके साथ लड़ती रहेंगी। आपके साथ निरंतर लड़ते रहना मेरा प्रण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली 10 से 12 साल में बहुत पीछे हो गई है। लेकिन दिल्ली के विकास को लेकर हम लोग इकट्ठा हुए हैं। यमुना पार वालों को दो उपहार दे रही हूं। सीएम गारमेंट शो वस्त्रिका 2025 में शामिल हुईं।

संसद की सुरक्षा में चूक दीवार फांदकर कैम्पस में पहुंचा व्यक्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद भवन की सुरक्षा में गुरुवार को सेंध का मामला सामने आया। एक व्यक्ति दीवार कूदकर संसद भवन में घुस गया और गरुड़ द्वारा तक पहुंच गया। सुरक्षा कर्मियों ने उसे तुरंत दबोच लिया। अब उससे पूछताछ की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी सुबह 6.30 बजे रेलभवन के पास पेड़ की मदद से दीवार पर चढ़ा और कूदकर अंदर घुसा। हालांकि, घटना के समय संसद में कोई सांसद मौजूद नहीं था। संसद का मानसून सत्र गुरुवार को खत्म हो गया था और राज्यसभा और लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। एक साल पहले 16 अगस्त 2024

को भी एक युवक दोपहर में दीवार फांदकर संसद परिसर में घुस गया था। वहां तैनात सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स के जवानों ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंप दिया था। संसद भवन की सुरक्षा में 16 अगस्त 2024 को बड़ी चूक सामने आई थी। दोपहर करीब 2.45 बजे एक युवक इम्तियाज खान मार्ग की तरफ से दीवार फांदकर संसद एनेक्सी भवन के कैंपस में कूद गया था। वहां मौजूद सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स के जवानों ने तुरंत उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी युवक शॉर्ट्स और टी-शर्ट पहने हुए था। उसकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी सामने आईं।

गुजरात में अब 8वीं के छात्र ने क्लासमेट को चाकू मारा

महीसागर (एजेंसी)। गुजरात में अहमदाबाद के बाद अब महिसागर जिले में 8वीं के स्टूडेंट पर चाकू से हमला करने की घटना सामने आई है। घटना बालासिनोर कस्बे के सरकारी स्कूल की है। गुरुवार की शाम स्टूडेंट्स छुट्टी के बाद स्कूल से निकल रहे थे। इसी दौरान क्लासमेट ने साथी छात्र पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू के हमले में स्टूडेंट के कंधे, कमर और पेट में जख्म हो गए हैं। हालांकि, अस्पताल में भर्ती स्टूडेंट खतरे से बाहर है। पुलिस ने आरोपी स्टूडेंट के खिलाफ बीएनएस की धारा 115 (1), 118 (1) (2), 352 के तहत शिकायत दर्ज की है। पूछताछ में क्लास के अन्य स्टूडेंट्स ने बताया

कि घटना के एक दिन पहले (20 अगस्त) को दोनों के बीच खेलकूद को लेकर विवाद हुआ था। इसी रंजिश में आरोपी ने इस वारदात को अंजाम दिया। बच्चों ने बताया कि आरोपी स्टूडेंट बैग में चाकू रखकर लाया था। कुछ बच्चों ने उसे बैग से चाकू निकालते हुए भी देखा था। अहमदाबाद में 10वीं के छात्र की हत्या इससे पहले बीते 19 अगस्त को 10वीं के एक छात्र ने क्लासमेट की पेपर कटर मारकर हत्या कर दी थी। इन स्टूडेंट्स के बीच भी कुछ दिनों पहले मामूली सी बात पर कहासुनी हो गई थी। इसी रंजिश का बदला लेने के लिए आरोपी छात्र ने मंगलवार को स्कूल की छुट्टी होते ही छात्र नयन सिंधी पर बॉक्स कटर से हमला कर दिया। ज्यादा खून बह जाने के चलते नयन की इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

सुप्रीम आदेश एसआईआर में ‘आधार’ करें मान्य

● कहा-हटाए गए वोटर ऑनलाइन आवेदन भी कर सकेंगे ● राजनीतिक पार्टियों से एससी ने कहा, लोगों की मदद करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बिहार में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर (सामान्य शब्दों में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन) पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह हटाए गए वोटर्स को लिस्ट में अपना नाम जुड़वाने के लिए फिजिकली के अलावा ऑनलाइन आवेदन की अनुमति भी दे। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि आधार कार्ड समेत फॉर्म 6 में दिए गए 11 दस्तावेज में से कोई भी जमा किया जा सकता है, इनमें ड्राइविंग लाइसेंस, पासबुक, पानी का बिल जैसे डॉक्यूमेंट शामिल हैं। कोर्ट ने राजनीतिक पार्टियों को मामले पर

चुप्पी साधने के लिए भी फटकार लगाई और पूछा कि मतदाताओं की मदद के लिए आप क्या कर रहे हैं। आपको आगे आना चाहिए। अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने चुनाव आयोग से कई सवाल पूछे। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा- राजनीतिक दलों की निष्क्रियता हैरान करने वाली है। राज्य की 12 पॉलिटिकल पार्टियों में से यहां मात्र 3 पार्टियां ही कोर्ट में आई हैं। वोटर्स की मदद के लिए आप क्या कर रहे हैं। आपकी ओर से केवल दो आपत्तियां ही आई हैं।

फाइनल लिस्ट 30 सितंबर को आएगी

पिछली सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन में कोई गैरकानूनी काम पाया गया तो वह इसके नतीजों को रद्द कर सकता है। आरजेडी सांसद मनोज झा के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि 65 लाख मतदाताओं को हटाना गैरकानूनी है। प्रशांत भूषण ने ईसीआई पर मतदाता सूची को गैर-खोज योग्य बनाने का आरोप लगाया। कोर्ट ने दस्तावेजों की कमी के दावों का विरोध करते हुए कहा कि हर किसी के पास कोई न कोई सर्टिफिकेट होता है। सुनवाई जारी रहेगी और फाइनल लिस्ट 30 सितंबर को आएगी। शीर्ष अदालत ने कहा, हम बिहार के लिए आधार कार्ड या किसी अन्य स्वीकार्य दस्तावेज के साथ हटाए गए मतदाताओं के दावों को ऑनलाइन जमा करने की अनुमति देंगे। जिन लोगों का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है, वे अब ऑनलाइन अपना दावा पेश कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें आधार कार्ड या सरकार द्वारा मान्य कोई दूसरा पहचान पत्र देना होगा।

जहां से उठाया, वहीं ले जाकर छोड़ो

● आवारा कुत्तों के मामले पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला ● कहा-शेल्टर होम में केवल हिंसक और बीमार कुत्ते रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आवारा कुत्तों के मामले पर आज सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश देते हुए कहा कि शेल्टर होम से सभी कुत्तों को छोड़ा जाए। कोर्ट ने आदेश देते हुए कहा कि हिंसक और बीमार कुत्ते शेल्टर होम में ही रहेंगे। कोर्ट ने इस संबंध में ना केवल दिल्ली बल्कि अन्य राज्यों को भी नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने आदेश देते हुए कहा कि नसबंदी के बाद कुत्तों को छोड़ना होगा। किसी भी सार्वजनिक स्थान पर कोई कुत्ते को खाना नहीं खिला सकता है। वहीं, शीर्ष न्यायालय ने इस संबंध में कानून बनाने की भी वकालत की है। आज के फैसले के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त के उस फैसले पर रोक लगा दी है, जिसमें दिल्ली एनसीआर के सभी आवारा कुत्तों को शेल्टर होम में भेजने को कहा गया था। अपने फैसले में कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कुत्तों को शेल्टर होम में नहीं रखा जाएगा, उनकी नसबंदी के बाद उन्हें छोड़ दिया जाएगा।

● **सार्वजनिक स्थान पर नहीं खिला सकेंगे खाना**- शीर्ष न्यायालय ने हर कम्युनिसिपल ब्लॉक में आवारा कुत्तों को खिलाने के लिए अलग से जगह बनाने की बात कही। कोर्ट ने निर्देश देते हुए कहा कि केवल निर्धारित जगह पर ही कुत्तों को खाना दिया जाए। किसी भी सार्वजनिक स्थान पर कुत्तों को खाना नहीं खिलाया जाएगा। अगर ऐसा करते हुए कोई पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि कुत्तों को जहां से उठाया गया है, उन्हें उसी स्थान पर रिलोकेट किया जाएगा।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे गिरफ्तार

● सरकारी पैसे के दुरुपयोग का आरोप, पत्नी के दीक्षांत समारोह में लंदन गए थे

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को पुलिस ने सरकारी धन का दुरुपयोग करने के मामले में गिरफ्तार किया है। उन पर आरोप है कि 2023 में

राष्ट्रपति रहते हुए वे अपनी पत्नी प्रोफेसर मैत्री विक्रमसिंघे के दीक्षांत समारोह शामिल होने लंदन गए थे। पुलिस का कहना है कि लंदन में उनकी कोई आधिकारिक यात्रा नहीं थी, फिर भी इसे सरकारी खर्चे पर किया गया। इस यात्रा में 10 लोगों का ग्रुप शामिल था और करीब 1.69 करोड़ रुपए खर्च किया गया। उस समय विक्रमसिंघे क्यूबा और अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर थे, जिसके बाद वे निजी यात्रा के लिए ब्रिटेन चले गए थे। इसके अलावा उन पर अपने पर्सनल बॉडीगार्ड को भी सरकारी खजाने से सैलरी देने का आरोप है।

राहुल की वोटर अधिकार यात्रा

भागलपुर पहुंचा काफिला

मुंगेर में आंबेडकर की मूर्ति का उद्घाटन नहीं होने पर लोगों का विरोध

मुंगेर (एजेंसी)। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा का आज छठा दिन है। राहुल गांधी का काफिला मुंगेर से निकल कर भागलपुर के सुल्तानगंज पहुंचा है। यहां से यात्रा अकबरनगर की ओर बढ़ेगी। जहां करीब दो घंटे का ब्रेक होगा। इसके बाद यात्रा भागलपुर के लिए आगे बढ़ेगी। इससे पहले मुंगेर के घोरघट में स्थानीय लोगों में राहुल-तेजस्वी को लेकर नाराजगी देखी गई। दरअसल, घोरघट में 20 फीट ऊंची भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण होना था। इसकी तैयारी भी की गई। राहुल-तेजस्वी का काफिला उद्घाटन स्थल होते हुए आगे बढ़ गया। प्रतिमा का उद्घाटन नहीं होने से लोग खफा दिखे, जिसके बाद पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने शिलापट्ट का उद्घाटन

किया। शुक्रवार सुबह यात्रा के दौरान मुंगेर में राहुल-तेजस्वी ने खानकाह रहमानी के मौलाना से करीब 20 मिनट तक मुलाकात की। मुंगेर के शहरी इलाके में राहुल गांधी-तेजस्वी यादव का रोड शो हुआ। यात्रा मुस्लिम और यादव बहुल इलाकों से गुजरी। मुंगेर में राहुल गांधी की ये पहली यात्रा है। मुंगेर में रोड शो के दौरान राहुल-तेजस्वी खुली जीप में आगे बढ़ते दिखे।

बेगूसराय में पीएम ने किया 6 लेन ब्रिज का उद्घाटन

● नीतिश कुमार के साथ पुल पर घूमे, गमछा लहराकर लोगों का अभिवादन किया

गयाजी (एजेंसी)। पीएम ने बेगूसराय में गंगा नदी पर बने 6 लेन औंटा-सिमरिया ब्रिज का उद्घाटन किया। नीतिश कुमार के साथ प्रधानमंत्री पुल पर घूमे। उन्होंने अपने गले से गमछा निकाला और हाथ से घुमाकर लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी मौजूद रहे। ब्रिज के नीचे बने घाट पर प्रधानमंत्री के स्वागत में सांस्कृतिक कार्यक्रम होते रहे। पीएम को देखने के लिए लोगों की भीड़ भी घाटों पर नजर आई। प्रधानमंत्री करीब 37 मिनट तक ब्रिज पर रुके। नया पुल न केवल भारी वाहनों के आवागमन को आसान बनाएगा बल्कि पूर्वोत्तर राज्यों को जोड़ने के लिहाज से महत्वपूर्ण होने वाला है।

जिसका लाभ न केवल बेगूसराय समेत आस पास के क्षेत्र को होगा बल्कि ये पूरे बिहार और देश के लिए भी अहम होने वाला है। इस पुल के शुरू होने से जहां उद्योग और व्यापार को लाभ मिलेगा वहीं, पूर्वोत्तर हिस्सा भी मजबूत होगा। इस परियोजना की कुल लागत 1871 करोड़ रुपये है। गंगा नदी पर तैयार किए इस पुल की लंबाई 1.865 किलोमीटर है, जबकि पहुंच पथ सहित इसकी कुल लंबाई 8.150 किलोमीटर है। इसके निर्माण से उत्तर और दक्षिण बिहार की कनेक्टिविटी में ऐतिहासिक बदलाव आएगा। पीएम मोदी ने ट्वीट में लिखा, औंटा-सिमरिया पुल एक ऐतिहासिक परियोजना है, जो उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच संपर्क में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी! इससे पहले गयाजी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13000 करोड़ की योजनाओं की शुरुआत की। मगध यूनिवर्सिटी के कैंपस में अपने 34 मिनट के भाषण में उन्होंने कांग्रेस और आरजेडी पर निशाना साधा। सरकार की उपलब्धियां गिनवाईं। आतंकवाद और घुसपैठ पर भी बात की। पीएम ने कहा- हम घुसपैठियों को देश से निकालकर रहेंगे। इन्हें आपके हक पर डाका नहीं डालने देंगे। कांग्रेस-आरजेडी घुसपैठियों के साथ खड़े हैं।

पंजाब भाजपा प्रधान सुनील जाखड़ किए गए डिटेन

● फाजिल्का कैंप जाते वक्त रोके गए प्रदेश बीजेपी चीफ

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए बीजेपी अब ग्रामीण इलाकों में भी अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। इसके लिए पार्टी केंद्र सरकार की 8 योजनाओं के सहारे गांवों तक पहुंच बना रही है। फाजिल्का जिले के रायपुर गांव में आयोजित एक कैंप में शामिल होने जा रहे बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ को आज पुलिस ने रास्ते में रोक लिया। इसके बाद उन्होंने वहीं धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सुरजीत कुमार ज्याणी समेत बड़ी संख्या में बीजेपी नेता मौजूद रहे। बाद में पुलिस ने जाखड़ को हिरासत में ले लिया। उन्होंने पंजाब सरकार को ‘तानाशाह’ करार दिया। वहीं, भाजपा के कार्यकारी प्रधान अश्विनी शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जाखड़ की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए लिखा-सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है जोर कितना बाजू-ए-कातिल में है।

राजस्थान के सवाईमाधोपुर में बाढ़, 250 घर डूबे

● गुजरात में टैंकर बहा, इस पर सवार 13 लोगों को बचाया ● जम्मू में स्कूल बिल्डिंग पर लैंडस्लाइड

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में मानसून फिर से ऐक्टिव हो गया है। शुक्रवार को 4 जिलों (उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़) में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। सवाई माधोपुर में बाढ़ जैसे हालात हैं। पल्ली पार इलाके में करीब 250 घर पानी में डूब गए। उधर गुजरात के पोरबंदर जिले में बारिश के बाद माधवपुर घेड इलाके में जलभराव हो गया। दूध का टैंकर बह गया। उसमें फंसे 13 लोगों को एनडीआरएफ की टीम ने बचाया। वहीं जम्मू-कश्मीर में पुंछ के मंडी

सेक्टर में लैंडस्लाइड के चलते एक स्कूल का हिस्सा टूट गया। मौसम विभाग ने हिमाचल में 23 से 26 अगस्त तक भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। लैंडस्लाइड की वजह से नेशनल हाईवे समेत कुल 347 सड़कें अभी भी बंद हैं। इसके अलावा 281 ट्रांसफॉर्मर और 145 जलापूर्ति योजनाएं भी बाधित हुई हैं। राज्य में अब-तक 2282 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इसके अलावा 149 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 38 लापता हैं। राज्य में सामान्य से 17 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। टोंक-चिरगांव नेशनल हाईवे पर उघाड़ की पुलिया मूसलाधार बारिश के कारण एक बार फिर टूट गई। करीब 20 दिन पहले भी यह पुलिया टूटी थी, जिसे प्रशासन ने ठीक किया था।

संक्षिप्त समाचार

दानापुर रेल मंडल में महिला समेत 5 शराब तस्कर अरेस्ट, 24 घंटे में 1.18 लाख की शराब जब्त

पटना। दानापुर रेल मंडल पुलिस ने ऑपरेशन रेड के तहत बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने एक महिला सहित पांच अंतरराज्यीय शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 1.18 लाख रुपए की 118.26 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान फतुहा के अजय कुमार, वैशाली के राघोपुर निवासी प्रहलाद कुमार, अंकित कुमार, पटना सालिमपुर के चंदन कुमार और झारखंड के जमशेदपुर सितगोड़ा की ममता कुमारी के रूप में हुई हैं। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने उपासना एक्सप्रेस के कोच बी-4 में तलाशी के दौरान इन्हें पकड़ा। इसी के साथ पुलिस ने मोबाइल चोरी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक नाबालिग भी शामिल है। आरोपी रवि कुमार और जीतू चौधरी के पास से दो मोबाइल और 35 हजार रुपए नगद बरामद किए गए हैं। पटना रेल एसपी अमरतेंदु शेखर ठाकुर ने बताया कि पिछले 24 घंटे में पटना के विभिन्न स्टेशनों से कुल 200 लीटर अवैध शराब बरामद की गई है। बिहिया और दानापुर स्टेशन से मोबाइल चोरों को पकड़ा गया। सभी आरोपियों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा।

तेजप्रताप बोले- 5 परिवारों ने मेरा करियर खत्म किया, बीजेपी-आरएसएस के साथ मिलकर जीवन बर्बाद किया

पटना। तेजप्रताप यादव ने कहा है कि 5 परिवारों ने मेरा राजनीतिक जीवन खत्म कर दिया। आज मैं उनके बारे में खुलासा करूंगा। 'हमारे खुद के परिवार और राजद में जो थे इन 5 परिवार ने मेरी जिंदगी को तहस-नहस किया। मैंने पहले भी जयचंद का जिक्र किया है। जयचंद तो है ही इसके अलावे 5 परिवारों ने मेरे राजनीतिक करियर को खाने का काम किया।' 'मेरी हंसी-ठिठोली वाला जो अंदाज था, उनको ये खुशी बर्दाश्त नहीं हुई। 5 परिवार के लोगों ने उसे छीनने का काम किया है।' 'मुझे लगता है बीजेपी-आरएसएस वालों से पैसे लेकर इन लोगों ने साजिश रची और मेरे करियर को खत्म करने का काम किया। इन 5 परिवारों का मैं नाम भी रखूंगा और पूरा डिटेल बताऊंगा। मेरे जनसमर्थन से ये लोग बौखला गए हैं।' पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने 2 दिन पहले अपनी गर्लफ्रेंड अनुष्का यादव के भाई आकाश यादव को जयचंद बताया है। उन्होंने X पर लिखा, 'आकाश यादव और कुछ जयचंदों के द्वारा हमारी फोटो को वायरल कर देना, हमारी राजनीति को खत्म करने की साजिश है।' 'इन जयचंदों को अभी पता नहीं कि हमारा नाम तेज प्रताप यादव है। तुम जैसे टुटपुंजिया लोगों से हमारा राजनीतिक जीवन खत्म नहीं होगा बल्कि हम और मजबूती के साथ आगे बढ़ेंगे। कोई जयचंद कितनी भी बड़ी से बड़ी भी साजिश कर ले, लेकिन वो हमसे कभी जीत नहीं पाएगा।' 'हम बिहार की राजनीति में अपने संगठन और सोशल प्लेटफार्म टीम तेज प्रताप यादव के माध्यम से पूरे राज्य में जन संवाद करेंगे और चुनाव भी लड़ेंगे। अब जिसको फरियाना है वो मैदान में आकर हमसे मुकाबला करे।'

नौबतपुर गोलीकांड का मुख्य आरोपी 6 महीने बाद अरेस्ट, सूरत में छिपकर रह रहा था

पटना। पटना के नौबतपुर थाना क्षेत्र में हुए गोलीकांड का मुख्य आरोपी बिट्टू कुमार(32) को पुलिस ने सूरत से गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार बिट्टू पिछले 6 महीने से सूरत में छिपा हुआ था। बताते चले की 13 मार्च को आपसी वर्चस्व को लेकर नौबतपुर थाना के छोटी टंगरैला गांव में अपराधियों द्वारा ललन प्रसाद यादव 50 को सर, पीठ एवं सीने में गोली मारी गई थी। दरअसल घटना 13 मार्च की शाम 7:30 बजे की है। नौबतपुर के छोटी टंगरैला गांव में आपसी वर्चस्व को लेकर अपराधियों ने ललन प्रसाद यादव (50) को सर, पीठ और सीने में गोली मार दी। ललन को बचाने आए उनके भतीजे प्रेमजीत कुमार और प्रेम कुमार को भी गोली लग गई। प्रेमजीत के पैर में और प्रेम कुमार के बाएं हाथ के पास गोली लगी। ललन प्रसाद की इलाज के दौरान मौत हो गई। प्रेम कुमार के बयान पर नौबतपुर थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया। इसमें बिट्टू कुमार, चंदन कुमार, हरे राम कुमार और डिंपू शर्मा समेत 3-4 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ। चंदन, हरे राम और डिंपू को पहले ही जेल भेजा जा चुका था। नौबतपुर पुलिस तकनीकी जांच के बाद बिट्टू का लोकेशन ट्रेस कर सूरत पहुंची। उसे गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर पटना लाया गया है। पुलिस अब बिट्टू से गोलीकांड से जुड़ी पूछताछ करेगी। फुलवारी शरीफ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी दो दीपक कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बिट्टू कुमार सूरत में छुपकर रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि बिट्टू कुमार की गिरफ्तारी के लिए नौबतपुर पुलिस की एक टीम का गठन किया गया था। पुलिस टीम द्वारा बिट्टू कुमार के छुपे हुए स्थान का टेक्निकल एविडेंस के आधार पर लोकेशन ट्रेस किया गया। इसके बाद पुलिस वहां पहुंचकर बिट्टू को गिरफ्तार कर पटना ले आई है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है।

पटना में 2 बाइक की टक्कर,चाचा-भतीजे समेत 4 की मौत, हादसे के वक्त 80 से ज्यादा थी स्पीड

पटना। पटना में गुरुवार देर रात सड़क हादसे में चाचा-भतीजे समेत 4 लोगों की मौत हो गई। गौरीचक थाना इलाके के बेलदारी चक पुल पर तेज रफ्तार से आ रही 2 बाइक में आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक पर सवार 3 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। एक युवक पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे। इस बीच लोगों ने इसकी सूचना गौरीचक थाना को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। आसपास को लोगों ने बताया कि हादसे के वक्त बाइक की स्पीड 80 से ज्यादा थी। सड़क पर गिरते ही सभी दर्द से कराह रहे थे। नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के टीओपी प्रभारी अमित दास ने बताया कि 'मृतकों की पहचान दुखन कुमार (22), रवि कुमार (25), सूरज कुमार (18) और विकास कुमार (30) के रूप में हुई है। सभी गौरीचक के रहने वाले थे। घटना की सूचना मिलते ही गौरीचक थाना सहित कई थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

गौरीचक थाना प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि 'हादसा बेलदारी चक ओवर ब्रिज पर बिहटा सरमेरा सड़क पर हुआ है। गुरुवार की देर रात दो मोटरसाइकिल पर दो-दो युवक सवार होकर तेज रफ्तार से जा रहे थे।' 'बेलदारी चक ओवर ब्रिज पर दोनों मोटरसाइकिल की आमने-सामने सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। सभी युवक बीच सड़क पर ही बुरी तरह जख्मी हो गए। सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे। इस बीच तीन युवकों की मौत मौके पर ही हो चुकी थी।' 'ग्रामीणों ने सभी युवकों को पुलिस की मदद से पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने चारों युवकों को मृत घोषित कर दिया।'

नीतीश कुमार की पार्टी का पिंडदान करने आ रहे पीएम

लालू यादव ने एनडीए पर कसा तंज, तेजस्वी बोले- गयाजी में लगेगी झूठ-जुमलों की दुकान

एजेंसी, पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुरुवार सुबह 11 बजे गयाजी पहुंचेंगे। यहां वे मगध विश्वविद्यालय परिसर में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे और 13,000 करोड़ रुपए की विकास योजनाओं की शुरुआत करेंगे। पीएम मोदी के इस दौरे को लेकर बिहार में बयानबाजी तेज हो गया है। पीएम मोदी के आगमन से पहले ही राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने सोशल मीडिया मंच X पर वीडियो पोस्ट कर सीधा हमला बोला। उन्होंने लिखा—"प्रधानमंत्री मोदी जी आज गया में नीतीश कुमार की राजनीति और उनकी पार्टी का पिंडदान करने आ रहे हैं। वहीं, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी एक पोस्ट के जरिए तंज कसा। तेजस्वी ने लिखा—आज गया में लगेगी झूठ और जुमलों की दुकान! प्रधानमंत्री जी बिना हड्डी की जुबान से झूठ और जुमलों का हिमालय खड़ा करेंगे, लेकिन बिहार की न्यायप्रिय जनता दशरथ मांझी की तरह इन पहाड़ों को तोड़ देगी। 11 साल अपनी और 20 वर्षों की एनडीए सरकार का हिसाब दीजिए।"

एशिया के दूसरे सबसे ब्रिज का करेंगे उद्घाटनः गया की रैली के बाद प्रधानमंत्री मोदी बेगूसराय में बने एशिया के दूसरे सबसे चौड़े 6 लेन औंटा-सिमरिया ब्रिज का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। यह पुल गंगा नदी पर बना है और उत्तर तथा दक्षिण बिहार के बीच आवागमन को और सुगम बनाएगा। इसके साथ ही वे बक्सर थर्मल पावर प्लांट समेत कई बड़ी विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे। पीएम मोदी के साथ मंच पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष चिराग पासवान समेत एनडीए के कई बड़े नेता मौजूद रहेंगे। जहां एक ओर केंद्र सरकार इसे बिहार के विकास की बड़ी सौगात के रूप में पेश कर रही है, वहीं विपक्ष इसे चुनावी वर्ष में महज राजनीतिक प्रचार बता रहा है। गया से लेकर बेगूसराय तक प्रधानमंत्री का यह दौरा सियासी रूप से बेहद अहम माना जा रहा है।

पटना में बिहार का पहला मॉडर्न श्मशान घाट

एजेंसी, पटना

बिहार का पहला मॉडर्न श्मशान घाट पटना के बांस घाट में बन रहा है। पटना स्मार्ट सिटी और बुडको द्वारा 89.40 करोड़ रुपए की लागत से इस श्मशान घाट का निर्माण किया जा रहा है। इसका संचालन ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु करेंगे। इसके लिए कोयंबटूर से टीम विजिट करने भी आई थी। परिसर को विजिट करने के बाद उन्हें आकर्षक लगा। वहीं, अब श्मशान घाट में दो द्वार भी बनाए जाएंगे, जिसमें से एक मोक्ष और दूसरा बैकुंठ द्वार होगा।

46.58 फीट ऊंचा होगा मोक्ष द्वारः श्मशान घाट के मुख्य द्वार का डिजाइन तैयार कर लिया गया है। दोनों द्वार में कांसे से बना ओम चिन्ह भी स्थापित किया जाएगा। मोक्ष द्वार को धौलपुर पत्थर से तैयार किया जाएगा। यह द्वार करीब 46.58 फीट ऊंचा रहेगा। इसके अलावा पूजा के लिए शिवा स्टेच्यू भी लगाया जाएगा। यहां चार इलेक्ट्रिक क्रीमेसन ओवन इंस्टॉल कर दिया गया है। परिसर में अस्थियों को विसर्जित करने व स्नान करने के लिए दो तालाब तैयार किए जा रहे हैं, जिसमें फाउंटेन लगेगी।

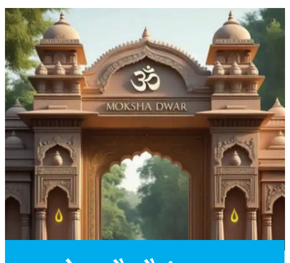

♦ मोक्ष और बैकुंठ द्वार का धौलपुर पत्थर से बनेगा गेट, 46.58 फीट ऊंचा होगा

4.5 एकड़ में फैला है श्मशान घाटः बता दें कि यह श्मशान घाट 4.5 एकड़ में फैला है, जो पिछले श्मशान घाट से तीन गुना बड़ा है, जो केवल 1.24 एकड़ में फैला था। इसमें दो वेटिंग हॉल, दो प्रार्थना कक्ष, दो पूजा कक्ष, एक प्रशासनिक कार्यालय, एक कैंटीन, एक मंदिर और स्टाफ क्वार्टर होंगे। अन्य सुविधाओं में छह ब्लॉक शौचालय, दो चेंजिंग रूम, 40 वर्ग मीटर का सब-स्टेशन, एक शवगृह, पार्किंग स्थल, आंतरिक सड़कें और एक सार्वजनिक घोषणा प्रणाली शामिल हैं।

पटना में मीट शॉप का मालिक लापता

एजेंसी, पटना

कोतवाली थाना क्षेत्र के कमला नेहरू नगर में गुरुवार की देर रात से एक मीट दुकानदार लापता है। लापता व्यक्ति की पहचान मोहम्मद इरशाद कुरैशी (28) के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक गुरुवार की देर रात वह मीट शॉप से घर आया, फिर अपनी स्कूटी खड़ी की। इसी बीच किसी का कॉल आया और लगभग 10:40 बजे निकल गया। इसके कुछ देर बाद से नंबर स्विच ऑफ हो गया। फिलहाल कोई खोजखबर नहीं है। पिता मोहम्मद अबरार अहमद ने थाने में गुमशुदगी की शिकायत की है। वहीं, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कॉल आने के बाद घर से निकलाः मोहम्मद इरशाद कुरैशी के पिता मोहम्मद अबरार अहमद ने बताया कि इरशाद शादीशुदा है।

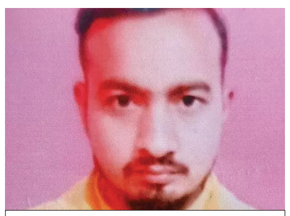

♦ परिजन बोले-दुकान से घर आने के बाद कॉल आने पर निकला, अब नंबर भी बंद आ रहा

उसके दो बच्चे हैं। वह मीट शॉप चलाकर अपना परिवार चलाता है। इसके अलावा लोगों के बीच ब्याज पर रुपए वगैरह भी चलाता है। गुरुवार के दिन रात 10:40 बजे अज्ञात नंबर से कॉल आया। जिससे बातचीत करने के बाद वो गया। जो अभी तक घर नहीं लौटा है। मोबाइल नंबर भी ऑफ है।

मगध महिला कॉलेज में कैबिनेट इलेक्शन 28 को, नॉमिनेशन शुरू, 13 पदों के लिए चुनाव

एजेंसी, पटना

पटना के मगध महिला कॉलेज में नए सत्र के लिए कैबिनेट मेंबर्स को चुना जाएगा। बता दें कि हर साल स्टूडेंट सेंट्रल सोसाइटी की ओर से कैबिनेट इलेक्शन का आयोजन होता है। आज से नॉमिनेशन फॉर्म जारी कर दिया गया है। इस चुनाव को लड़ने के लिए इच्छुक छात्राएं आज से अपना नॉमिनेशन करवा सकती हैं। 28 अगस्त को कैबिनेट चुनाव होना है। हालांकि, यूनिवर्सिटी ने एग्जाम की घोषणा कर दी है, इस कारण चुनाव के डेट आगे बढ़ सकते हैं।

आगे बढ़ाया जा सकता है चुनाव का डेटः स्टूडेंट सेंट्रल सोसाइटी की प्रेसिडेंट अर्चना जायसवाल ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी कॉलेज में कैबिनेट इलेक्शन हो रहा है।

आज से फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक छात्राएं 23 अगस्त को शाम 4 बजे तक अपना नॉमिनेशन फॉर्म जमा कर सकेंगी। 25 अगस्त को इंटरव्यू लिया जाएगा। वहीं, 28 को सुबह से वोटिंग थी, मगर अब एग्जाम को देखते हुए इलेक्शन के डेट को आगे बढ़ाया जा सकता है, हो सकता है 29 को चुनाव हो। अगली तारीख जल्द जारी होगी।

नॉमिनेशन समाप्त होने के बाद होगा इंटरव्यूः चुनाव में प्रथम और द्वितीय वर्ष की छात्राएं भाग लेती हैं। नॉमिनेशन की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद इंटरव्यू होगा। इंटरव्यू कॉलेज की प्राचार्य और सोसाइटी की सदस्यों की ओर से लिया जाएगा। इसमें चयनित छात्राएं ही इलेक्शन में खड़ी होंगी और इसका प्रचार-प्रसार करेंगी। फिर चुनाव के दिन कॉलेज की छात्राएं वोट करेंगी और अपना नया कैबिनेट मेंबर चुनेंगी।

अलग-अलग पदों के लिए होंगे चुनावः यह चुनाव 13 पदों के लिए हो रहा है। जिसमें जनरल सेक्रेटरी, असिस्टेंट जनरल सेक्रेटरी, कॉमन रूम सेक्रेटरी, असिस्टेंट कॉमन रूम सेक्रेटरी, ट्रेजरर, सैनिटेशन सेक्रेटरी, असिस्टेंट सैनिटेशन सेक्रेटरी, एनवायरनमेंट सेक्रेटरी, असिस्टेंट एनवायरनमेंट सेक्रेटरी, साइंस एंड आईटी सेक्रेटरी, असिस्टेंट साइंस एंड आईटी सेक्रेटरी, जागृति हाउस कैप्टन, समृद्धि हाउस कैप्टन, मैत्री हाउस वाइस कैप्टन, प्रगति हाउस कैप्टन पद शामिल है।

खेमका मर्डर केस के शूटर से रातभर हुई पूछताछ निजी दुश्मनी में अशोक साव ने कराया मर्डर

एजेंसी, पटना

पटना में 4 जुलाई 2025 की रात पटना के एक प्रसिद्ध व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या पटना में ही उनके आवास के पास कर दी गई थी, जहां अपराधियों ने उन्हें गोलियों से छलनी कर दिया था। इस मर्डर केस में शूटर उमेश राय और सुपारी देने वाले अशोक साव से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जिससे पूछताछ जारी है। शूटर उमेश राय को पुलिस ने दोबारा 1 दिन की रिमांड पर लिया है। इससे पहले उमेश और अशोक साव को एक साथ पुलिस ने रिमांड पर ली थी। केस के IO कुमार अभिनव ने पूरी रात आरोपी से पूछताछ की है। जिसमें उसने फिर से वहीं, सारी बातें बताई हैं, जो पहले कबूल किया था।

निजी दुश्मनी में की हत्याः उसने कहा है कि रंगदारी नहीं मांगी थी। निजी दुश्मनी में अशोक साव ने गोपाल खेमका से बदला लिया है। उसने बताया यह मेरी पहली हत्या थी। उसने पुलिस को यह भी बताया कि उसकी पत्नी बीमार है। जिससे वो फिलहाल परेशान चल रहा है। वहीं, उमेश ने पूछताछ में जुर्म कबूला है। यह कह रहा कि,'मैंने आज तक चींटी तक नहीं मारी है'। बता दें कि पुलिस ने इस घटना में शामिल होंडा साइन बाइक भी बरामद कर ली है। जिसका इस्तेमाल शूटर उमेश ने किया था। बीते दिनों छापेमारी के दौरान उमेश के घर से हथियार भी भारी मात्रा में बरामद किए गए थे। इसके अलावा कुछ रुपए भी मिले थे।

एक आरोपी का हुआ एनकाउंटरः पुलिस के पास इस मामले में डिजिटल एविडेंस पर्याप्त हैं। सीसीटीवी फुटेज, डॉक्यूमेंट्स, सब जब्त किए गए हैं। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि किस जमीन को लेकर विवाद था। पुलिस ने इस मामले में 2 उमेश राय और अशोक साव को गिरफ्तार किया गया था और एक आरोपी विकास राज पुलिस एनकाउंटर में पटना सिटी में मारा गया था।

पटना में राशन डीलर्स पर पुलिस का लाठीचार्ज

एजेंसी, पटना

पटना में अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे राशन डीलर्स पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। इसके पहले सभी को हटाने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। राशन डीलर्स परमानेंट करने की मांग कर रहे हैं। हजारों की संख्या में फेयर प्राइस डीलर्स एसोसिएशन के बैनर तले विक्रेता सड़कों पर उतर आए हैं।

एसोसिएशन के नेतृत्व में यह पदयात्रा 9 अगस्त से शुरू हुई थी, जो पश्चिम चम्पारण के गांधी आश्रम, भितिहरवा से चलकर अब पटना के गांधी मैदान पहुंच चुकी है। सभी डालबंगला चौराहे पर पहुंचे थे। जहां पुलिस ने लाठीचार्ज किया।

डीलर्स का कहना है कि सरकार ने उन्हें बार-बार आश्वासन तो दिया लेकिन आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उनकी प्रमुख मांग है कि जन वितरण प्रणाली से जुड़े सभी विक्रेताओं को नियमित किया जाए और उन्हें वेतनमान दिया जाए, ताकि उनकी जीविका सुरक्षित हो सके।

♦ दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, वाटर कैनन से पीछे धकेला, परमानेंट और सैलरी की मांग

राजद कांग्रेस की पिछलग्गू पार्टी बन गई हैः चिराग पासवान

एजेंसी, पटना

शुक्रवार की सुबह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान पटना, जहां उन्होंने विपक्ष पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार बिहार दौरे से यह साफ है कि बिहार प्रधानमंत्री की प्राथमिकता में है। जिनके पास अब जनता के सामने कहने के लिए कोई मुद्दा नहीं बचा है। वही लोग पीएम की यात्राओं पर सवाल उठा रहे है।

प्रधानमंत्री ने जो भी वादे किए, उन्हें पूरा कर दिखाया है और बिहार को लगातार योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बयान की कड़ी निंदा की, जिसमें उन्होंने कहां है कि पीएम नीतीश कुमार की राजनीति और उनकी पार्टी का पिंडदान करने गया रहे है। चिराग ने कहा कि राजनीति में नीतियों और कामों का विरोध होना चाहिए, लेकिन इस तरह की भाषा का कोई स्थान नहीं है। तेजस्वी यादव द्वारा राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद के लिए प्रोजेक्ट करने पर चिराग ने तंज कसते हुए कहा कि आज राजद कांग्रेस की पिछलग्गू बन गई है। कभी बिहार की राजनीति में बड़ी ताकत रखने वाली पार्टी की स्थिति इतनी कमजोर हो चुकी है कि अब उन्हें राहुल गांधी को बिहार में घुमाना पड़ रहा है।

♦ कहा-राहुल गांधी के साथ घूमना तेजस्वी की मजबूरी, बिहार पीएम मोदी की प्राथमिकता

खेल विभाग ने निकाली 824 पदों पर बंपर बहाली स्पोर्ट्स क्लर्क से लेकर अधिकारी तक की वैकेंसी

एजेंसी, पटना

खेल में नौकरी के इंतजार में बैठे युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। राज्य सरकार ने खेल विभाग में बंपर बहाली का रास्ता खोल दिया है। ऐसा पहली बार है कि खेल विभाग में 824 पदों पर बहाली होने जा रही है। स्पोर्ट्स ट्रेनर से लेकर स्पोर्ट्स सर्विस कैडर में अधिकारी, स्पोर्ट्स क्लर्क और अन्य पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। खेल विभाग ने इन नियुक्तियों के लिए बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC), बिहार कर्मचारी चयन आयोग (BSSC) और बिहार तकनीकी सेवा आयोग (BTSC) को सिफारिश भेज दी है।

इन पदों पर होगी बहालीः स्पोर्ट्स सर्विस कैडर के अधिकारी में 33 पद, स्पोर्ट्स ट्रेनर में 379 पद, निम्नवर्गीय लिपिक में 53 पद, राजगीर खेल अकादमी में 81 पद (स्पोर्ट्स ट्रेनर और क्लर्क दोनों), बिहार राज्य खेल प्राधिकार पटना में 301 पदों पर बहाली होगी। वहीं, खेल विभाग की ओर बिहार खेल अधीनस्थ सेवा संवर्ग में 380 पद स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से 379 पद अभी खाली हैं। इन सभी पदों पर बहाली के लिए खेल विभाग ने BSSC को प्रस्ताव भेज दिया है। जल्द ही इन पर सीधी बहाली की जाएगी।

स्पोर्ट्स ट्रेनर के 379 पद पर सीधे मिलेगी जॉब

स्पोर्ट्स ट्रेनर के 379 पद होगी सीधी बहालीः स्पोर्ट्स ट्रेनर के 379 पद सीधी बहाली होगी। वहीं, बिहार स्पोर्ट्स सर्विस कैडर में भी 33 अधिकारियों के लिए 44 नए पदों का सृजन किया गया है। इनमें से 11 पद प्रोन्नति के लिए हैं, जबकि 33 पदों पर सीधी भर्ती होगी है। खेल विभाग में क्लर्क सेवा संवर्ग का भी गठन कर दिया गया है। इसके लिए 80 पदों की स्वीकृति भी मिल गई है। इनमें से 53 रिक्त पद ऐसे हैं जिस पर जल्द बहाली होनी है। वहीं, निम्नवर्गीय लिपिक के 10 पद और विभिन्न खेलों के प्रशिक्षकों के 48 पद पूरी तरह खाली हैं।

संक्षिप्त समाचार

टी.डी.सी. तृतीय खंड की परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

बीएनएम@ मोतिहारी। बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुज़फ्फरपुर के तत्वावधान में चल रही टी.डी.सी. तृतीय खंड (पार्ट-3) की परीक्षा का दूसरा दिन शुक्रवार को शांतिपूर्ण रहा। मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी परीक्षा केंद्र पर प्रथम पाली में 937 तथा द्वितीय पाली में 1324 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। प्रथम पाली में ग्रुप-सी के अंतर्गत इतिहास, रसायन शास्त्र, संस्कृत और प्राचीन भारतीय इतिहास विषयों की परीक्षा आयोजित हुई, जबकि द्वितीय पाली में ग्रुप-डी के अंतर्गत बॉटनी, गणित, राजनीति विज्ञान और उर्दू विषयों की परीक्षा ली गई। संपूर्ण परीक्षा कदाचार-मुक्त एवं शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई। यह जानकारी परीक्षा नियंत्रक डॉ. मशहूर अहमद ने दी, जिसे महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने साझा किया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया कंस वध मेला

बीएनएम@ योगापट्टी : योगापट्टी-प्रखंड के मच्छरगांवा नगर पंचायत के बड़ा रामना परिसर में शुक्रवार को कंस वध मेला का आयोजन हुआ। इस अवसर पर कंस की विशालकाय प्रतिमा बनाई गई थी, जिसे देखने के लिए दूर दराज ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की भीड़ जमा हो गई। कंस की इहलीला समाप्त करने की दृश्य देखने को लोगों में काफी उत्सुकता देखी गयी। रॉकेट और तीर के प्रहार से घमंडी कंस का वध किया गया। इस अवसर पर लौरिया विधानसभा विधायक विनय बिहारी ने कहा कि कंस मेला का प्रत्येक वर्ष आयोजन होता है । इससे समाज में असत्य पर सत्य का विजय का संदेश फैलाने का प्रयास किया जाता है। नप अध्यक्ष ने कहा कि बुराई पर अच्छाई की जीत अत्याचारियों का कभी ना कभी अंत होना आदि संदेश लोगों तक पहुंचाने की कोशिश होती है। वहीं मेले में सभी प्रकार के झूला व मिठाई खिलौना का दुकान अत्यधिक मात्रा में लगाया गया था वही मेला देखने के लिए मच्छरगांवा योगापट्टी त्रिवेणी चौक बलुआ नवलपुर शनिचरी फतेहपुर चौरही सिरसिया सिसवा बैरागी और भी बहुत-दूर दुर से लोग मेला देखने के लिए आए थे |

सहरसा में चोरों का बढ़ता मनोबल, प्रशासन की उदासीनता पर उठे सवाल

बीएनएम@ सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएँ लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामला रायपुरा चौक का है, जहाँ बीती रात चोरों ने कई दुकानों और घरों को निशाना बनाया। रानी स्वीट कॉर्नर, दीक्षा रेडीमेड, आर.के. टेलीकॉम समेत अन्य प्रतिष्ठानों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। घटनास्थल थाना मुख्यालय से महज तीन किलोमीटर की दूरी पर होने के बावजूद पुलिस प्रशासन मौके पर सक्रिय नहीं दिखा।स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में दो चोरों की स्पष्ट तस्वीरें कैद हुई हैं। इसके बावजूद पुलिस अब तक केवल आश्वासन देने तक सीमित है। लोगों का कहना है कि हाथ पर हाथ धरे बैठा पुलिस प्रशासन चोरों के हौसले को और भी बढ़ा रहा है।पिछले कुछ दिनों में चोरों ने पहले मंदिरों को निशाना बनाया और अब खुलेआम दुकानों में सेंधमारी शुरू कर दी है। इससे आमजन में भय का माहौल व्याप्त है। व्यापारियों का कहना है कि अगर स्थिति यही रही तो जल्द ही चोर घरों तक पहुँच कर डकैती जैसी बड़ी घटनाओं को अंजाम दे सकते हैं। चोरी की इन घटनाओं ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों का कहना है कि पुलिस को चाहिए कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान कर तुरंत गिरफ्तारी करे, ताकि ऐसे तत्वों को सबक सिखाया जा सके। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि चोरी की इन वारदातों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि यदि जल्द ही दोषियों की गिरफ्तारी नहीं हुई, तो व्यापारी सड़क पर उतर कर विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

सांपों से बचाव और सर्पदंश की रोकथाम पर कार्यशाला का आयोजन

बीएनएम@ बगहा: 65 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल और डब्ल्यू. टी.आई. के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को बगहा में सांपों के बचाव और सर्पदंश की रोकथाम पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला सेग्रे रैपिड एक्शन फंड के सहयोग से आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य सुरक्षा बलों के जवानों को सांपों से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने और आपात स्थिति में उचित कदम उठाने के लिए प्रशिक्षित करना था। कार्यशाला में पर्यावरणम एनजीओ के आदित्य तिवारी ने सांपों के व्यवहार और उनके संरक्षण के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान, श्री तिवारी ने जानकारी देते हुए प्रतिभागियों को विषैले और गैर-विषैले सांपों के बीच अंतर करने के तरीके सिखाए, जिससे अनावश्यक डर और उन्हें मारने की घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने सांपों से जुड़ी कई सामाजिक भ्रांतियों, जैसे कि सांप दूध पीते हैं या नाग-नागिन का जोड़ा होता है जैसी भ्रांतियां को दूर किया। उन्होंने बताया कि सांप के काटने से बचने के लिए सावधानी बरतने, साफ-सफाई रखने की जानकारी दी। श्री तिवारी ने बताया कि सर्पदंश के बाद मरीज को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाना चाहिए और पारंपरिक उपचारों पर भरोसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों को सांपों के प्राकृतिक व्यवहार की जानकारी दी जिससे कि वे इन जीवों को बेहतर ढंग से समझ सकें और अनावश्यक रूप से उन्हें नुकसान न पहुंचाएं।इस कार्यक्रम में नंदन सिंह मेहरा कमांडेंट , कोजाराम लामरोड़ द्वितीय कमान अधिकारी, पंकज शर्मा उप कमांडेंट,अभिषेक सुहाने उप कमांडेंट, डब्ल्यू. टी. आई. की ओर से आदित्य तिवारी, पॉवेल घोष, राहिनुल आई. सरकार, सुनील कुमार, आकिब अहमद, मधुमय मालिक, संचित गिरी तथा बड़ी संख्या में 65 वाहिनी के जवान उपस्थित थे।

जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रम अंतर्गत कुल 39 आवेदन प्राप्त हुए

बीएनएम@ मोतिहारी

समाहरणालय मोतिहारी स्थित डॉ राधाकृष्णन सभागार में आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 39 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर जिलाधिकारी के निर्देश पर अपर समाहर्ता,पूर्वी चंपारण मोतिहारी मुकेश कुमार सिंहा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारी गण के द्वारा सुनवाई की गई। प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए अपर समाहर्ता ने कहा कि आज जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से करवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। आज भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। जनता के दरबार कार्यक्रम मे अपर समाहर्ता के साथ यशवंत कुमार, मंगला कुमारी, निधि कुमारी सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारियों ने जनता दरबार में आए लोगों से मिलकर उनकी शिकायतों का समाधान किया।

दरियापुर मठ के पास दोहरे हत्याकांड, पांच गिरफ्तार

घटनास्थल से बाइक व खोंखा बरामद

बीएनएम@ मोतिहारी

संग्रामपुर के दरियापुर के राम चुनिया मठ के समीप गुरुवार शाम हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत के मामले में संग्रामपुर थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। मृतक धनंजय गिरी की पत्नी पूजा देवी (ग्राम भादा गिरी टोला, थाना हरसिद्धि) के आवेदन पर कुल 14 लोगों को हत्या की साजिश रचने का आरोपित किया गया है। पुलिस के अनुसार, झड़वा गांव के इनामी अपराधी सनोवर खान ने धनंजय गिरी को मोतिहारी कोर्ट से घर लौटते समय बुलाया। जैसे ही धनंजय अपने गांव लौट रहे थे, सनोवर खान और उसके साथियों ने राम चुनिया मठ के पास उन पर गोली चलाई। इस घटना में गुड्डू यादव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि धनंजय गिरी को गंभीर चोटें आईं। उन्हें इलाज के लिए मोतिहारी ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी भी मौत हो गई। थानाध्यक्ष धीरेज कुमार सिंह ने बताया कि अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में झड़वा गांव के खुर्शीद खान, अनवर खान, अनवर अली उर्फ चुन्नू, दरियापुर गांव के जमीर खान और तिवारी टोला के सचिन उपाध्याय शामिल हैं। पुलिस ने घटना स्थल से एक पल्सर बाइक और एक खोखा भी बरामद किया है। अरेराज डीएसपी रवि कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है और बाकी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष आपराधिक पृष्ठभूमि के हैं और मामले की गहन जांच कर दोषियों को कानून के कटघरे में लाया जाएगा।

दोहरे हत्याकांड: परिजनों ने शव रखकर किया सड़क जाम, पुलिस जांच में जुटी

बीएनएम@ मोतिहारी

दरियापुर मठ के समीप गुरुवार की रात करीब 9 बजे अपराधियों ने धनंजय गिरी और गुड्डू यादव को गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के तुरंत बाद परिजन मृतकों के शव को भादा चौक पर रखकर सड़क जाम कर दिया और हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक, धनंजय गिरी, हरसिद्धि थाना क्षेत्र के भादा गिरी टोला के निवासी थे, जबकि गुड्डू यादव मोतीलाल यादव के पुत्र थे। घटना की सूचना पाकर हरसिद्धि पुलिस मौके पर पहुंची और समझा बुझाकर जाम हटा दी। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में मामला आपसी विवाद या किसी स्थानीय अपराधी के हाथ होने की संभावना जताई जा रही है। परिजन व ग्रामीण मृतकों के हत्यारों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

राहुल गांधी के वोटर अधिकार यात्रा के तहत आगमन की तैयारी को लेकर की गई बैठक

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर के बंजरिया पंडाल स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय, गांधी आश्रम में शुक्रवार को जननायक राहुल गांधी के ऐतिहासिक वोटर अधिकार यात्रा के तहत पूर्वी चम्पारण आगमन की तैयारी को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक यात्रा के पूर्वी चम्पारण कोर्डिनेटर एवं मंगौल, हरिद्वार के विधायक तथा दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी काजी निजामुद्दीन की नेतृत्व में किया गया। उक्त बैठक को सम्बोधित करते हुए काजी निजामुद्दीन ने कहा कि वोटर अधिकार यात्रा का उद्देश्य लोकतंत्र के मूल आधार– "एक व्यक्ति, एक वोट, एक मूल्य" की रक्षा करना है। आज देश में लोकतंत्र पर जिस प्रकार हमले हो रहे हैं और आम जनता का मताधिकार छीना जा रहा है, उसके खिलाफ कांग्रेस पार्टी महात्मा गांधी की इस कर्मभूमि से नया सत्याग्रह प्रारंभ कर रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का यह संदेश सिर्फ बिहार ही नहीं बल्कि पूरे देश में नई ऊर्जा और जागरूकता फैलाएगा। वहीं जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजीनियर शशि भूषण राय उर्फ़ गप्पू राय ने कहा कि पूर्वी चम्पारण की जनता गांधी जी की धरती पर एक बार फिर लोकतंत्र बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि वोटर अधिकार यात्रा आम जनता की आवाज बनेगी और यह आंदोलन हर गांव-गांव, गली-गली तक पहुंचेगा। गप्पू राय ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे तन-मन-धन से इस ऐतिहासिक कार्यक्रम की तैयारी में जुटें और राहुल गांधी के स्वागत में कोई कसर न छोड़ें। इस बैठक में प्रदेश महिला अध्यक्ष सर्वत जहा फातिमा, पूर्व विधायक मनोज सिंह, प्रो. विजय शंकर पाण्डेय, शैलेन्द्र कुमार शुक्ला, किरण कुशवाहा, बरकत खां, संगम कुमार, ओमप्रकाश कुशवाहा, रूमा खां, विजय कांत त्रिपाठी, सतेन्द्र तिवारी, बिट्टू यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण एवं लायंस क्लब रक्सौल के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

बीएनएम@ रक्सौल

शहर के आईसीपी परिसर में भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण रक्सौल एवं लायंस क्लब ऑफ रक्सौल के संयुक्त तत्वावधान में एसआरपी मेमोरियल हॉस्पिटल की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का नेतृत्व निदेशक सह मुख्य चिकित्सक डॉ. सुजीत कुमार ने किया। इस दौरान 250 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डॉ. सुजीत कुमार ने कहा कि भाग-दौड़ भरी जिंदगी में लोग स्वास्थ्य के प्रति लापरवाह हो जाते हैं, जिसके कारण मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी गंभीर बीमारियां तेजी से फैल रही हैं। उन्होंने बताया कि हर 11 में से एक व्यक्ति इन बीमारियों से ग्रसित है। बदलती जीवनशैली और असंतुलित खानपान के कारण अब बच्चे और युवा भी इसके शिकार हो रहे हैं। उन्होंने जागरूकता, संतुलित जीवनशैली, नियमित जांच और व्यायाम को इससे बचाव का सबसे सरल उपाय बताया। शिविर में लोगों के ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर और यूरिक एसिड की जांच की गई तथा जरूरतमंदों के बीच निःशुल्क दवाओं का वितरण हुआ। मौके पर डॉ. सोनाली, डॉ. मनिता, डॉ. एस.के. सिंह, डॉ. एस.के. मिश्रा, डॉ. इजहार, डॉ. अब्दुल्लाह, डॉ. प्रीतम सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण रक्सौल के प्रबंधक राजीव रंजन ने सभी चिकित्सकों को दोशाला और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। वहीं लायंस क्लब की ओर से भी राजीव रंजन एवं डॉ. सुजीत कुमार को अंगवस्त्र और लायन पिन देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लायंस क्लब अध्यक्ष बिमल कुमार सर्राफ, सचिव मोहम्मद निजामुद्दीन, निदेशक लायन संजय गुप्ता एवं लायन डॉ. सुशील कुमार सिंह की भूमिका सराहनीय रही।

यादवपुर सेमरहवा बाबा मंदिर हुआ में बिना दहेज का आदर्श विवाह

बीएनएम@ हरसिद्धि

यादवपुर के सेमरहवा बाबा मंदिर परिसर में शुक्रवार को एक जोड़े ने बिना दहेज के विवाह रचाकर आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया। इस शुभ अवसर पर सैकड़ों ग्रामीण और महिलाएं उपस्थित होकर इस दहेजमुक्त विवाह की गवाह बनीं। दहेजमुक्त अभियान से प्रेरित होकर यह विवाह संपन्न हुआ। दूल्हा सुरेन्द्र साह, हरसिद्धि प्रखंड के बगहा गांव निवासी पुण्यदेव साह के पुत्र, और दुल्हन रूपा, चैनपुर गांव की निवासी, ने दोनों परिवारों की सहमति से विवाह किया। स्थानीय ग्रामीणों ने इस कार्यक्रम के सभी खर्च उठाए और पहले भी इस रमणीय स्थान पर इस तरह के आयोजन किए जा चुके हैं। समारोह में आचार्य एकबाल तिवारी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य सुनील पासवान, सरल राम, मोहन राम, बिगन राम, शिवजी पांडे, महेश्वर पांडे, पवन कुमार सहित सैकड़ों ग्रामीण और महिलाएं उपस्थित रहे।

पताही पुलिस ने 19 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

बीएनएम@ पताही

समकालीन अभियान के तहत पताही थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 19 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इनमें चार वारंटी, एक शराब कारोबारी और चौदह शराब सेवन के आरोप में पकड़े गए व्यक्ति शामिल हैं। गिरफ्तार वारंटी में राजबीर साह पिता गंगादयाल साह, राजेश साह पिता गुलाबी साह, रामलाल हाजरा पिता हरिलाल हाजरा और नंदू पासवान पिता राजदेव हजरहा, सभी ग्राम कोदरिया निवासी हैं। शराब कारोबारी के रूप में मगनी महतो पिता विलास महतो ग्राम कोदरिया को पकड़ा गया। वहीं शराब सेवन के आरोप में आमोद कुमार पासवान पिता रामचंद्र पासवान, मनीष दास पिता चंद्रिका दास, रामदुलार साह पिता सियाराम साह, शंकर महतो पिता जादू महतो, कुंदन कुमार पिता सुरेश महतो, राज किशोर महतो पिता प्रसाद महतो और हनुमान महतो पिता जयकृष्ण महतो सभी ग्राम रामपुर मनोरथ से गिरफ्तार किए गए। इनके अलावा ब्रिज महतो पिता जगदेव महतो ग्राम मड़पा मोहन थाना फेनहारा, दीपक साह पिता अमीरी साह, बिंदेश्वरी राम पिता दीपक राम, संतोष सहनी पिता रामपुकर साहनी ग्राम परसौनी कपूर, राजेंद्र महतो पिता दाउर महतो ग्राम बिकाने कला, जमुना साह पिता खेदु साह और कंपू साह पिता जगन साह ग्राम बोकाने कला को भी हिरासत में लिया गया। सभी गिरफ्तार अभियुक्तों को पुलिस ने माननीय न्यायालय में भेज दिया है।

चम्पारण सेवा ट्रस्ट ने छात्राओं में वितरित की पाठ्य सामग्री

बीएनएम@ अरेराज

स्थानीय संस्था चम्पारण सेवा ट्रस्ट ने शुक्रवार को शिक्षा और बाल कल्याण के क्षेत्र में एक अहम पहल करते हुए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, अरेराज में लगभग 90 छात्राओं को स्टेशनरी और अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की। इसमें कॉपी, पेन, बिस्कुट, रबर, कटर जैसी उपयोगी वस्तुएं शामिल थीं। नगर पंचायत क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बारवा में भी तीस छात्र-छात्राओं को उपरोक्त सामग्री दी गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पढ़ाई में मदद देना और शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ाना बताया गया। कार्यक्रम में सेवा ट्रस्ट के उज्ज्वल पांडेय, भोलू कुमार, जय सचिन पांडेय, शुभ तिवारी, सुमित मिश्रा, अर्जुन मिश्र, विपुल शर्मा, आशु चौबे, आदित्य कुमार, आदर्श पांडेय और अनुराग गुप्ता सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों के साथ समय बिताया और उन्हें शिक्षा के महत्व के बारे में बताया। स्थानीय लोग और विद्यालय प्रशासन ने ट्रस्ट के इस प्रयास की सराहना की। उनका कहना है कि इस तरह की पहल बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ समाज में सेवा और सहयोग की भावना भी मजबूत करती है।

एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी को लेकर जदयू ने की बैठक

बीएनएम@ रामगढ़वा

रामगढ़वा स्थित प्रकाश मैरेज हॉल में शुक्रवार को आगामी 24 अगस्त 2025 को सुगौली विधानसभा क्षेत्र में आयोजित होने वाले एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी को लेकर जदयू कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक प्रत्याशी सुनील सिंह ने कहा कि आगामी 2025 विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को फिर से बिहार का नेतृत्व सौंपना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन ऐतिहासिक होगा, जिसमें प्रदेश से कई शीर्ष नेता शामिल होंगे। कार्यकर्ता सम्मेलन में जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकेश्वर प्रसाद, लोजपा (रामविलास) प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, मंत्री लेशी सिंह, मंत्री जनक राम, रालोसपा प्रवक्ता अनंत कुमार गुप्ता और हम प्रवक्ता श्याम सुंदर शरण कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। जिलाध्यक्ष मंजू देवी ने जानकारी दी कि यह सम्मेलन सुगौली प्रखंड के सरयु नायक इंटर कॉलेज प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। इसमें सुगौली विधानसभा क्षेत्र के एनडीए के सभी प्रखंड स्तरीय कार्यकर्ता, पंचायत अध्यक्ष, बूथ सदस्य एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति होगी। तैयारी बैठक में जदयू नेता सुनील सिंह, कबीर पटेल, सुनील भूषण ठाकुर, शर्मानंद सहनी, रामगढ़वा प्रखंड अध्यक्ष बब्लू साह, प्रवक्ता जन्मेजय पटेल, ब्रजेश पटेल, ध्रुव कुशवाहा, गोविंद सिंह, सुनील पटेल, हाफीज मियां, बबलू सिंह, रंजीत कुमार, आकाश कुमार पंडित सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग से दुष्कर्म

बीएनएम@ जमुई / झाझा। थानाक्षेत्र के एक गांव में एक युवक के द्वारा अपनी नाबालिग मौसी के साथ ही दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया जिसके बाद पीड़िता के द्वारा थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई। दर्ज आवेदन में पीड़िता ने बताई की जब मैं अपनी सहेली के साथ दोपहर में शौच करने के लिए खेत की ओर जा रही थी तभी मेरा बहन बेटा मुझे रास्ता में रोकते हुए हाथ मिलाने की बात किया जिसपर मैंने उसे मौसी होने की बात कहकर हाथ मिलाने से मना किया तो उसने गुस्सा होकर मुझे पकड़कर झाड़ी में ले जाकर मेरे साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। उसके बाद चिल्लाने पर गांव के लोग पहुंचे तो युवक को पकड़ा। इधर प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद गिरफ्तार युवक को न्यायिक हिरासत में जमुई भेज दिया।

सेंट्रल बैंक ने किया मेगा क्रैडिट कैंप का आयोजन

बीएनएम@ पूर्णिया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय पूर्णियां द्वारा आज मेगा क्रेडिट आउटरीच कैंप का सफल आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि श्री सुकेश झा, उप महाप्रबंधक, केन्द्रीय कार्यालय,सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर कुल 20 करोड़ रुपये का SHG (स्वयं सहायता समूह) क्रेडिट लिंकिंग जीविका दीदियों के बीच स्वीकृत किया गया तथा एमएसएमई और रिटेल क्षेत्र के अंतर्गत कुल 44 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए गए। यह शिविर भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग (DFS) के निर्देशानुसार आयोजित किया गया, जो 01 जुलाई 2025 से 30 सितम्बर 2025 तक देशभर के सभी जिलों के ग्राम पंचायत (GP) एवं शहरी स्थानीय निकाय (ULB) स्तर पर चलाए जा रहे वित्तीय समावेशन सैचुरेशन अभियान का हिस्सा है। शिविर में विशेष रूप से जोर दिया गया कि कृषि ऋण आउटरीच कार्यक्रम, ReKYC (जहाँ आवश्यक हो) सभी बचत खाता धारकों का, प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMJDY) के अंतर्गत खाते खोलना, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं PMJJBY, PMSBY एवं APY में नामांकन करना तथा वित्तीय साक्षरता एवं डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव पर जागरूकता कार्यक्रम करना। मुख्य अतिथि सुकेश झा, उप महाप्रबंधक ने कहा कि वित्तीय समावेशन को सार्वभौमिक स्तर तक पहुँचाना अत्यंत आवश्यक है ताकि सरकार प्रायोजित योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र नागरिक तक पहुँचे। उन्होंने SHG-बैंक लिंकिंग एवं महिलाओं के सशक्तिकरण में जीविका दीदियों की भूमिका को भी रेखांकित किया। क्षेत्रिय प्रबंधक नीरज ज्योतिर्मय ने जीविका दीदियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि SHG-बैंक संबंधों को और सुदृढ़ बनाना ग्रामीण आजीविका को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। जनरली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस वरिष्ठ क्लस्टर प्रबंधक आशुतोष कुमार ने बीमा के बारे में बताया और लोगों को कई प्रकार की जानकारी दी । सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, ब्रह्मज्ञानी शाखा में वित्तीय समावेशन एवं कृषि ऋण शिविर का आयोजन किया गया शिविर में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के द्वारा सफलतापूर्वक वित्तीय समावेशन, कृषि ऋण एवं डिजिटल सुरक्षा के महत्व को लोगों तक पहुँचाया गया।

पंडित शशिकांत झा को मिला रेवा प्रसाद द्विवेदी स्मृति सम्मान

बीएनएम@ अररिया। फारबिसगंज पीडब्ल्यूडी के प्रांगण में इंद्रधनुष साहित्य परिषद की ओर से शुक्रवार को हिंदी साहित्य के महान व्यंग्यकार हरिशंकर परसाईं की जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। सर्वप्रथम उपस्थित साहित्यकारों एवं साहित्य प्रेमियों के द्वारा हरिशंकर परसाई की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पण कर नमन किया गया। उसके बाद उपस्थित साहित्यकार पूर्व शिक्षक हरिशंकर झा , संस्थापक सचिव विनोद कुमार तिवारी, सुनील दास, हिंदी सेवी अरविंद ठाकुर, हरि नंदन मेहता ने हरिशंकर परसाई के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। वक्ताओं ने बताया कि हरिशंकर परसाई का जन्म 22 अगस्त 1922 को मध्य प्रदेश के होशंगाबाद में हुआ था और उनकी मृत्यु 10 अगस्त 1995 को जबलपुर में हुआ था। उन्होंने व्यंग्य विधा को एक नई पहचान दी। उन्हें 1982 में विकलांग श्रद्धा का दौर के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने सामाजिक और राजनीतिक जीवन में व्याप्त भ्रष्टाचार और शोषण पर करारा व्यंग्य किया जो हिंदी साहित्य में अनूठा है। उनकी कृतियों में कर्म, जैसे उनके दिन फिरे, रानी नाग फनी की कहानी , बेईमानी की परत, भूत के पांव पीछे , तिरछी रेखाएं, ठिठुरता गणतंत्र , सदाचार का ताबीज आदि प्रमुख हैं। वक्ताओं ने उनकी कहानी भोलाराम का जीव और एक बेचारा आदमी की विशेष चर्चा की । इस अवसर पर फारबिसगंज डुमरिया निवासी पूर्व संस्कृत शिक्षक पंडित शशिकान्त झा को उनके उल्लेखनीय सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए परिषद की ओर से रेवा प्रसाद द्विवेदी स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया।

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति में बंपर बहाली, भूतपूर्व सैनिकों को मिलेगी विशेष छूट

सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को 40 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य

लिखित परीक्षा में तीन खंड होगा

बीएनएम@ पटना

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (BSEB) ने बड़ी भर्ती प्रक्रिया शुरू की है, जिसमें हजारों अभ्यर्थियों को रोजगार का अवसर मिलेगा। इस बहाली में सबसे अहम बात यह है कि भूतपूर्व सैनिकों को आयु सीमा में विशेष छूट दी गई है। समिति ने स्पष्ट किया है कि भूतपूर्व सैनिकों को अधिकतम तीन वर्ष की अतिरिक्त छूट के साथ-साथ उतनी अवधि का लाभ भी मिलेगा, जितना समय उन्होंने सेना में सेवा की है। हालांकि, आवेदन की अंतिम तिथि तक उनकी उम्र 57 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।भूतपूर्व सैनिकों के लिए यह शर्त भी रखी गई है कि वे सेवा का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे, तभी उन्हें आरक्षण और आयु छूट का लाभ मिल सकेगा। यह प्रावधान उन युवाओं के लिए बड़ी राहत है जो सेना से सेवा निवृत्त होने के बाद भी सरकारी नौकरी की तलाश में हैं।

चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी

समिति ने भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए केवल लिखित परीक्षा का ही प्रावधान किया है। इसमें कोई साक्षात्कार (इंटरव्यू) नहीं लिया जाएगा। लिखित परीक्षा पूरी तरह वस्तुनिष्ठ (Objective) प्रकार की होगी।विभिन्न वर्गों के लिए न्यूनतम अर्हतांक भी तय कर दिए गए हैं। सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को 40 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा। पिछड़ा वर्ग को 36.5 प्रतिशत, अत्यंत पिछड़ा वर्ग को 34 प्रतिशत और अनुसूचित जाति/जनजाति, महिला एवं दिव्यांग उम्मीदवारों को 32 प्रतिशत अंक लाने होंगे।

परीक्षा की संरचना

लिखित परीक्षा में तीन खंड होंगे। भाषा संबंधी परीक्षा में अंग्रेजी (30 अंक) और हिंदी (70 अंक) का प्रश्नपत्र होगा, जो कुल 100 अंकों का होगा। यह क्वालिफाइंग प्रकृति की होगी और अभ्यर्थियों को प्रत्येक भाषा में कम से कम 30 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा। इसके बाद सामान्य अध्ययन और सामान्य योग्यता (एप्टीट्यूड) के दो अलग-अलग पेपर होंगे, जिनमें 100-100 अंक निर्धारित किए गए हैं। प्रत्येक पेपर की अवधि दो घंटे होगी।विशेष बात यह है कि परीक्षा में निगेटिव मार्किंग का प्रावधान रखा गया है। हर गलत उत्तर पर एक तिहाई अंक काटे जाएंगे। इसके अलावा यदि दो अभ्यर्थियों के अंक समान होंगे, तो उनकी जन्मतिथि और अन्य मापदंडों को आधार बनाकर मेरिट तय की जाएगी।

युवाओं के लिए बड़ा अवसर

समिति का कहना है कि इस बहाली में सभी वर्गों को उनके आरक्षण नियमों के अनुसार लाभ मिलेगा। ग्रामीण और शहरी इलाकों से आने वाले अभ्यर्थी समान रूप से इसमें शामिल हो सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन होगी और विस्तृत दिशा-निर्देश समिति की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।भूतपूर्व सैनिकों के लिए रखे गए विशेष प्रावधान ने इस भर्ती को और खास बना दिया है। रोजगार की तलाश कर रहे ऐसे उम्मीदवारों के लिए यह अवसर न केवल आर्थिक सुरक्षा देगा, बल्कि उनके अनुभव का लाभ भी राज्य को मिलेगा।यह भर्ती बिहार के युवाओं के लिए रोजगार का बड़ा मौका मानी जा रही है। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे विज्ञापन में दिए गए सभी नियमों और पात्रता शर्तों को ध्यान से पढ़कर ही आवेदन करें।

डॉ पदम भानू सिंह सम्मानित

बीएनएम@ बगहा

वन विकास भारती बगहा के होमियोपैथिक चिकित्सक डॉ पदम भानू सिंह को कैंसर और होमियोपैथिक के क्षेत्र में विशेष योगदान पर गोवा के जे डब्लू मेरियोट होटल में क्रिकेट जगत के महान खिलाड़ी ब्रेट ली ने इन्टरनेशनल फ्लेम ऑफ होमियोपैथिक अवार्ड से सम्मानित किया है। डॉ पदम भानू सिंह को उक्त अवार्ड मिलने पर बगहा वासियों में काफी हर्ष व्यक्त है। गौरतलब हो कि डॉ पदम भानू सिंह कैंसर के क्षेत्र में एक ख्याति प्राप्त चिकित्सक हैं। तथा कैंसर और होमियोपैथिक अवार्ड से वे कई बार विदेशों में भी नवाजे जा चुकें है। वे उत्तर प्रदेश के द इंपीरियल होटल में बनेंट होमियोपैथी कम्पनी ने विज्ञान से जुड़ी संभावनाओं और दवा की गुणवत्ता से जुड़ी तथ्यों पर उन्हें सम्मानित किया था। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनायें होमियोपैथी चिकित्सक डॉ पदमभानू सिंह ने कहा कि होमियोपैथी कैंसर के चिकित्सा के क्षेत्र में एक क्रांति है। विदित हो कि नई दिल्ली स्थित आकाशवाणी भवन में हिन्दी सिनेमा जगत की सुप्रसिद्ध अभिनेत्री पुनम ढिल्लों ने डॉ पदमभानू सिंह को विजनरी इन्डियन अवार्ड से सम्मानित किया था। तथा लगातार होमियोपैथी चिकित्सा के क्षेत्र में सराहनीय और उत्कृष्ट कार्य पर विदेशों में भी कई बार डॉ पदमभानू सिंह को सम्मानित किया जा चुका है।

मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन

जमुई मैराथन दौड़ में भाग लेते प्रतिभागी

बीएनएम@ जमुई /झाझा

बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति, पटना के सौजन्य से डीएसएम कॉलेज, झाझा के तत्वावधान में शुक्रवार को "रेड रन-2025" की जिला स्तरीय मैराथन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन जमुई जिला के आरआरसी नोडल अधिकारी प्रो. राकेश पासवान ने किया। मैराथन की शुरुआत रेलवे स्टेशन क्लब, झाझा से हुई, जिसमें जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से 30 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। छात्र वर्ग में मनीष कुमार प्रथम, सोनू कुमार द्वितीय, अजीत कुमार तृतीय, सोनू कुमार चतुर्थ एवं राज कुमार पंचम स्थान पर रहे। वहीं छात्रा वर्ग में खुशबू कुमारी प्रथम, अंजनी कुमारी द्वितीय, कल्पना कुमारी तृतीय, डॉली कुमारी चतुर्थ और ज्योति कुमारी पंचम स्थान पर रहीं। इन विजेताओं को 30 अगस्त को पटना में आयोजित राज्य स्तरीय मैराथन में भाग लेने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में विजेताओं को पदक, प्रमाण-पत्र एवं पुस्तकों का सेट दिया गया, जबकि सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर स्थानीय पुलिस, रेफरल अस्पताल झाझा एवं एम्बुलेंस सेवा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. एन्ना बहन, प्रो. रूबी सिंह, आमोज कुमार सिंह, एबीवीपी के सूरज बरनवाल, हरिनंदन प्रजापति एवं एनएसएस स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी रही।

इस बार बिहार में बदलाव होकर रहेगा : संतोष चौधरी

बीएनएम@ बगहा

नौतन प्रखंड अंतर्गत पकड़िया पंचायत हरदिया पंचायत भवन में जन सुराज पार्टी की एक विशाल बिहार बदलाव जनसभा संतोष चौधरी के नेतृत्व में आयोजित की गई। जिसमें नौतन विधान सभा क्षेत्र संख्या 06 के संभावित विधायक प्रत्याशी संतोष चौधरी ने अपने संबोधन में कहा इस बार बिहार में बदलाव होकर रहेगा। बिहार की नीतिश सरकार में भ्रष्टाचार बेरोजगारी मंगाई और अराजकता चरम सीमा पर है। बिहार के युवा देश के अन्य राज्यों में जाकर मजदूरी कर रहे हैं और जिल्लत की जिंदगी जी रहे हैं। उन्होंने कहा बिहार में उद्योग धंधों का घोर अभाव है। संतोष चौधरी ने अपने संबोधन में कहा अगर जन सुराज की सरकार बनती है तो नौजवानों का पलायन बंद होगा पेंशन की राशि 2000 प्रतिमाह दी जाएगी महिलाओं को स्वरोजगार के लिए 4% सालाना ब्याज दर पर कर्ज की सुविधा दी जाएगी भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जाएगा किसानों के लिए मनरेगा मजदूर की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा इस बार अपने बच्चों के भविष्य के लिए बिहार में बदलाव के लिए सुशासन व्यवस्था कायम करने के लिए जन सुराज को वोट दें। जन सुराज पार्टी के पश्चिम चंपारण के डिजिटल प्रभारी दिनेश कुमार ने बेरोजगारी दूर करने के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आगामी विधानसभा चुनाव में जन सुराज को वोट देने की जोरदार वकालत की।बिहार बदलाव सभा के संयोजक प्रियंका देवी ने कही बिहार बदलाव सभा पार्टी के दिशा निर्देश में की जा रही है।

बगहा सभा में उपस्थित नेता व कार्यकर्ता

वाल्मीकि नगर लोकसभा क्षेत्र में 9 रेलवे फाटकों पर ओवरब्रिज निर्माण की मांग की गयी हैः सतीश चंद्र दुबे

बीएनएम@ बगहा

केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री, भारत सरकार, सतीश चंद्र दुबे ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर पश्चिम चम्पारण की जनता के लिए बेहतर रेल सुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया है। राज्यमंत्री ने रेल मंत्री से स्थानीय निवासियों की ज़रूरतों पर तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह करते हुए निम्नलिखित प्रमुख मांगें रखी। सबसे पहले सिकटा स्टेशन पर अमृत भारत ट्रेन का ठहराव स्वीकृत करने के लिए रेल मंत्री का हार्दिक धन्यवाद देकर इसी स्टेशन पर आनंद विहार टर्मिनल जाने वाली स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव की मांग की, ताकि दिल्ली जाने वाले यात्रियों को और अधिक सुविधा मिल सके।पश्चिमी चंपारण के वाल्मीकिनगर लोकसभा क्षेत्र में 9 महत्वपूर्ण रेलवे फाटकों पर ओवरब्रिज बनाने की मांग की , ताकि ट्रैफिक जाम की गंभीर समस्या से लोगों को राहत मिल सके।हरिनगर रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस सहित 8 प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित करने का अनुरोध किया ।वहीं बगहा स्टेशन की व्यावसायिकऔर भौगोलिक महत्ता को देखते हुए यहाँ 4 अतिरिक्त एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग की, जिससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ नेपाल जाने वाले यात्रियों को भी सुविधा हो।इंटरसिटी एक्सप्रेस का ठहराव चमुआ स्टेशन पर करने का आग्रह किया , जिससे मरीजों और आम यात्रियों को राज्य की राजधानी पटना जाने में आसानी हो।वहीं चनपटिया स्टेशन के पास तिवारी टोला में बगहा स्टेशन पर ट्रेनों का ठहराव करने की मांग की। बगहा स्टेशन की व्यावसायिक और भौगोलिक महत्ता को देखते हुए यहाँ 4 अतिरिक्त एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग की , जिससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ नेपाल जाने वाले यात्रियों को भी सुविधा हो।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सभी मांगों को ध्यानपूर्वक सुना और उन पर यथोचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। माननीय कोयला और खान राज्यमंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे ने रेल मंत्री के इस सकारात्मक रुख और सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास जताया कि इन परियोजनाओं पर जल्द ही काम शुरू होगा और पश्चिमी चंपारण क्षेत्र में रेल सुविधाओं का एक नया अध्याय जुड़ेगा, जिससे क्षेत्र की जनता का जीवन और सुगम होगा।

बगहा रेल मंत्री को पत्र देते राज्य मंत्री

अनिशा दुबे को मिलेगा अंग महिला सम्मान

» 24 अगस्त को सम्मानित होगी अनीशा

बीएनएम@ जमुई

पर्वतारोहण के क्षेत्र में बिहार का नाम रोशन करने वाली जमुई जिले की बेटी अनिशा दुबे को उनके साहसिक कार्यों के लिए अंग महिला सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान अंग जन गण और अंगिका सभा फाउंडेशन भागलपुर की ओर से अंगिका साहित्यकार उचित लाल सिंह की याद में 24 अगस्त को दिया जाएगा। अनिशा दुबे ने पिछले कुछ वर्षों में पर्वतारोहण के क्षेत्र में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने अपना पहला पर्वतारोहण वर्ष 2021 में हिमाचल प्रदेश के माउंट पतालसू (14,000 फीट) से शुरू किया। इसके बाद उन्होंने नेपाल स्थित माउंट एवरेस्ट बेस कैंप (17,598 फीट) और लद्दाख के माउंट डोजो जोंगो (20,500 फीट) की सफल चढ़ाई की। अनिशा बताती हैं कि इस सफलता के पीछे उनकी माँ मधु दुबे और जमुई जिले के लोगों का सहयोग अहम रहा है। उन्हें अपने जिले से लगातार स्नेह, समर्थन और सम्मान मिलता रहा है। छोटी उम्र में ही साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देने वाली अनिशा दुबे एक बेहतरीन पर्वतारोही होने के साथ-साथ कुशल चित्रकार भी हैं।

अनीशा दुबे

पीएम मोदी बदल रहे हैं विकास की तस्वीर : नितिन नवीन

गया से बिहार को 13 हजार करोड़ की सौगात

बीएनएम@ पटना/गया

बिहार सरकार के मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गया आगमन राज्य के लिए ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने गया की धरती से आधारभूत संरचना, सड़क, जल आपूर्ति और स्वास्थ्य जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को जनता को समर्पित कर यह संदेश दिया कि बिहार का समग्र विकास केंद्र सरकार और एनडीए की सर्वोच्च प्राथमिकता है।प्रधानमंत्री ने औंटा (मोका) से सिमरिया (बेगूसराय) तक 8 किलोमीटर लंबे 6-लेन गंगा ब्रिज, मोकामा में एनएच-31 के 4-लेन निर्माण, मंगेर में नमामि गंगे के तहत एसटीपी और सीवरेज नेटवर्क, एनएच-120 के बिक्रमगंज-दाउदनगर-नवादा-इस्लामगंज मार्ग चौड़ीकरण समेत कई योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। औरंगाबाद, जमुई, बड़हिया और बोधगया क्षेत्र में जल आपूर्ति और सीवरेज परियोजनाओं की भी नींव रखी गई।मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी ने बिहार को 13,000 करोड़ की योजनाओं का उपहार दिया है। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 16,000 लाभार्थियों को गृह प्रवेश का अवसर भी मिला। उन्होंने कहा कि विपक्ष केवल नकारात्मक राजनीति कर रहा है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनकल्याण और विकास कार्यों पर केंद्रित हैं।

गयाजी में नीतीश और जेडीयू का 'पिंडदान' करेंगे मोदी : लालू यादव

बीएनएम@ पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गयाजी दौरे से पहले बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने पीएम मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि गयाजी पिंडदान के लिए मशहूर है और प्रधानमंत्री यहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) की राजनीति का "पिंडदान" करने आए हैं।पीएम मोदी गयाजी और बेगूसराय पहुंचेंगे, जहां वे करीब 13 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। बोधगया में आयोजित इस बड़े कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत एनडीए के कई बड़े नेता मौजूद रहेंगे। भाजपा और जेडीयू इसे विकास का संदेश देने वाला दौरा बता रहे हैं।वहीं लालू यादव ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी करते हुए आरोप लगाया कि बिहार को आज तक विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिला। गरीबों और पिछड़ों के अधिकार छीने गए और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया गया। उन्होंने नीतीश-मोदी की डबल इंजन सरकार को बिहार को गरीबी और अपराध की राह पर ले जाने वाला करार दिया।नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी व्यंग्य कसते हुए कहा कि गयाजी में जुमलों और झूठे वादों की दुकान खुलेगी। उन्होंने मांग की कि प्रधानमंत्री अपने 11 साल के कार्यकाल और नीतीश कुमार की 20 साल की सरकार का हिसाब जनता को दें।मोदी के इस दौरे से पहले ही राजद के हमलों ने एनडीए की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। चुनावी माहौल में लालू के "पिंडदान" वाले बयान ने राजनीति को और गरमा दिया है।

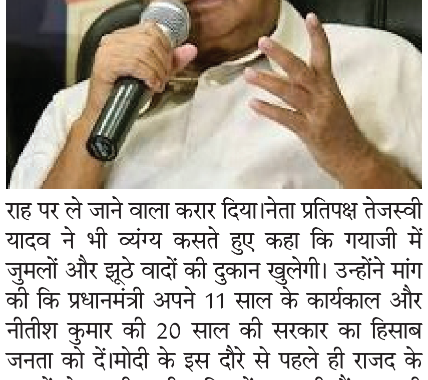

वोट अधिकार यात्रा की तैयारी शुरू

बीएनएम@ नौतन

मतदाता जागरूकता अधिकार यात्रा को लेकर आगामी 29 अगस्त को इंडिया गठबंधन के राहुल गांधी व तेजस्वी यादव सहित अन्य नेताओं के चंपारण यात्रा को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है।शुक्रवार को मंगलपुर के सतीश सिंह के अतिथी गृह में इंडिया गठबंधन के नेताओं की एक अहम बैठक हुई। बैठक में नमन नौतन पदयात्रा के सुत्र धार रवि भुषण, पर्यवेक्षक पुअरन चंद्र कोकोपाडी, आईसीसी के ऑब्जर्वर इब्राहिम अब्राहम राय मनी,राजद के जिला प्रधान महासचिव अमर यादव, प्रवक्ता प्रभु यादव जिला उपाध्यक्ष उमेश कुशवाहा,बैरिया प्रखंड अध्यक्ष हरिशंकर यादव,प्रखंड उपाध्यक्ष राजकिशोर यादव पंचायत समिति सदस्य रंजन,बिरेंद्र यादव, युवा प्रखंड अध्यक्ष संजय यादव बैधनाथ यादव ने संयुक्त रूप से बैठक कर अपनी बातों को रखा। तथा पुरजोर तैयारी को लेकर विचार-विमर्श किया है। राजद के जिला प्रधान महासचिव अमर यादव ने कहा कि अडानी अंबानी के गोद में बैठी मोदी सरकार जनता के वोट की चोरी कर रही है। लेकिन जनता बदलाव की मुड़ बना चुकी है। जनता को जागरूक करने तथा उनके हक़ और अधिकार दिलाने के लिए इंडिया गठबंधन के राहुल गांधी व तेजस्वी यादव सहित अन्य नेता चम्पारण आ रहे हैं।जिनके स्वागत को लेकर इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है। बताया कि बेतिया गोपालगंज मुख्य मार्ग में कार्यकर्ता जगह जगह पर स्वागत की तैयारियों में जुट गए हैं।।

बगहा वोट अधिकार यात्रा की तैयारी में जुटे कार्यकर्ता

आत्मनिर्भरता के मंसूबे पर पानी फिरता

देश में तिलहन के घटते रकबे के चलते कुछ विशेषज्ञों ने शंका जताई है कि भारत 2030-31 तक खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर होने के लक्ष्य को शायद ही हासिल कर पाए। खाद्य तेलों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए सरकार ने 2030-31 तक देश में खाद्य तेलों का उत्पादन 2.54 करोड़ टन तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। लेकिन किसानों की प्राथमिकताएं बदलते जाने से इस मंसूबे पर पानी फिरता दिखलाई पड़ रहा है। इस खरीफ सीजन में सोयाबीन और मूंगफली जैसी तिलहन फसलों की कम रकबे में बुआई हुई है। आकलन है कि इन फसलों के रकबे में इस बार करीब छह प्रतिशत की गिरावट आई है। बीते वर्ष तिलहन फसलों की बुआई 161 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में की गई थी, जो घट कर 156 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में रह गई है। सोयाबीन की बुआई में भी छह प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। बुआई का यह रुख स्पष्ट रूप से किसानों की प्राथमिकताओं में परिवर्तन का संकेत है, जो यकीनन खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा अवरोधक होगा। भारत खाद्य तेलों की अपनी कुल खपत का करीब 60 प्रतिशत आयात करता है, और इसी आंकड़े के चलते भारत दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक देश है। बीते वर्ष भारत ने 1,41,950 करोड़ रुपये से ज्यादा का खाद्य तेल आयात किया था। 2003-04 में खाद्य तेलों का आयात 44 लाख टन था, जो अब बढ़ कर 1.6 करोड़ टन पर पहुंच चुका है। दरअसल, किसानों की प्राथमिकताएं बदलना आने वाले समय भारत में खाद्य तेल परिदृश्य पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। किसान अब तिलहन की उपज लेने की बजाय मक्का जैसी नकदी फसल को तरजीह दे रहे हैं। इसलिए कि मक्के की उपज में लागत के मुकाबले लाभ ज्यादा है। पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिशण्रकी नीति ने पिछले चार-पांच वर्षों में मक्का के दाम को करीब-करीब दोगुना कर दिया है। पशु चारा और सस्ते प्रोटीनयुक्त खाद्य उद्योग में भी मक्का की मांग तेजी से बढ़ी है। इसलिए किसान तिलहन की फसल पर मक्का की पैदावार को प्राथमिकता दे रहे हैं। बेशक, इससे तिलहन का घरेलू उत्पादन उत्तरोत्तर घट सकता है।

छत्तीसगढ़ में नक्सल पर कसता शिकंजा : आने लगे सार्थक परिणाम

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

छत्तीसगढ़ की धरती लंबे समय से लाल आतंक की त्रासदी झेलती रही है। कभी दंतेवाड़ा से लेकर बस्तर और नारायणपुर तक नक्सलियों का बोलबाला था, जंगलों में बंदूक की आवाज़ें गूंजती थीं और जनजाति समाज भय और असुरक्षा के साए में जीने को मजबूर थी, परंतु अब पिछले कुछ वर्षों में इस तस्वीर में निर्णायक बदलाव आया है। राज्य सरकार और केंद्र सरकार की समन्वित रणनीति, सुरक्षा बलों की लगातार दबिश और विकास व पुनर्वास की समानांतर नीतियों ने वह काम किया है जो वर्षों तक एक असंभव प्रतीत होता था। देखने में आ रहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्य की भाजपा सरकार के नेतृत्व और नक्सल मुक्त भारत के उनके दृष्टिकोण के तहत, ऐसी कई पहलें देश के उन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन में बदलाव ला रही हैं, जो कभी देश के 'वर्जित क्षेत्र' रहे हैं। नारायणपुर की घटना ताज़ा उदाहरण है, जहां दो महिलाओं समेत आठ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इन पर कुल तीस लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनमें से कई कुख्यात माओवादी नेता थे। सुखलाल एक डिवीजनल कमेटी सदस्य और "माओवादी डॉक्टर" के रूप में सक्रिय था, उस पर आठ लाख का इनाम था। इसी तरह हुर्रा भी कंपनी नंबर 1 पीपीसीएम से जुड़ा था और उसके सिर पर भी आठ लाख का इनाम था। पोडियाम एरिया कमेटी मेंबर और लोकल ऑर्गनाइजेशन स्क्वॉड का डिप्टी कमांडर था। कमला और दीपा जैसी महिला सदस्य भी संगठन में अहम जिम्मेदारी संभाल रही थीं। इन आत्मसमर्पणों से यह स्पष्ट होता है कि जंगलों के भीतर भी माओवादियों का मनोबल लगातार टूट रहा है।

"ऑपरेशन प्रहार" और "ऑपरेशन डॉन" जैसी मुहिम का दिख रहा बड़ा असर- वस्तुतः यह सिलसिला केवल नारायणपुर तक सीमित नहीं है। बीते वर्षों में बस्तर, सुकमा, कांकेर, दंतेवाड़ा और बीजापुर जैसे इलाकों में सुरक्षा बलों ने कई बड़े ऑपरेशन चलाए। छत्तीसगढ़ पुलिस और केंद्रीय बलों ने मिलकर "ऑपरेशन प्रहार" और "ऑपरेशन डॉन" जैसी मुहिमें चलाईं, जिनमें एक के बाद एक बड़े नक्सली ढेर हुए। कुख्यात माओवादी नेता हिड़मा, जो बस्तर डिवीजन कमेटी का सबसे खतरनाक चेहरा माना जाता था, लंबे समय तक सुरक्षा एजेंसियों के निशाने पर रहा। उसके नेटवर्क को जिस तरह से तोड़ा गया, वह राज्य की सुरक्षा रणनीति की सफलता का उदाहरण है। इसके अलावा मांडवी हिड़मा, गुडसा उसेंडी और अन्य कई कुख्यात कमांडरों के मारे जाने या आत्मसमर्पण से संगठन की रीढ़ टूट चुकी है। नक्सलवाद केवल बंदूक की लड़ाई नहीं है, यह विचारधारा की लड़ाई भी है। माओवादी संगठन लंबे समय तक आदिवासियों के नाम पर उन्हें बरगलाता रहा, उनके विकास और हक की बातें कर उन्हें सरकार और व्यवस्था से दूर रखता रहा। परंतु जब केंद्र और राज्य सरकार ने यह ठाना कि विकास को ही हथियार बनाया जाएगा, तब तस्वीर बदलने लगी। सड़कें बनीं, पुल बने, स्कूल और अस्पताल खुले, मोबाइल टावर खड़े हुए और आदिवासी इलाकों में पहली बार शासन-प्रशासन की मौजूदगी महसूस हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कई बार यह कह चुके हैं कि "नक्सलवाद बंदूक की गोलियों से नहीं, विकास की रोशनी से खत्म होगा।" यही सोच छत्तीसगढ़ की रणनीति की रीढ़ बनी हुई दिखाई देने लगी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी हाल ही में कहा कि "हमारी प्राथमिकता केवल कानून-व्यवस्था नहीं है, बल्कि आदिवासी समाज को मुख्यधारा से जोड़ना और उन्हें भयमुक्त वातावरण देना है। पुनर्वास नीति इसी सोच का हिस्सा है।" यह वही नीति है जिसने नारायणपुर के आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। राज्य सरकार ने उन्हें पचास-पचास हजार रुपये की तत्काल सहायता दी है और आगे शिक्षा, रोजगार और सामाजिक पुनर्वास की गारंटी भी दी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी कई बार यह दोहराया है कि 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करना सरकार का लक्ष्य है। उनके शब्दों में, "नक्सलवाद इस देश के विकास और लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी बाधा रहा है। हमने पिछले दस वर्षों में इसे जड़ से खत्म करने की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति की है और अब यह आतंक अपने अंतिम चरण में है।" वास्तव में आंकड़े इस दावे की पुष्टि करते हैं। बीते एक दशक में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या आधी रह गई है। जहां कभी छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और बिहार समेत 126 से अधिक जिले इस लाल आतंक से प्रभावित थे, आज इनकी संख्या सिमटकर 18 से भी कम रह गई है। जिसमें कि छह जिले सबसे अधिक प्रभावित हैं, छत्तीसगढ़ के बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा, झारखंड का पश्चिमी सिंहभूम और महाराष्ट्र का गढ़चिरौली। वहीं, छह जिले 'चिंताजनक श्रेणी' में हैं, आंध्र प्रदेश (अल्लूरी सीताराम राजू), मध्यप्रदेश (बालाघाट), ओडिशा (कालाहांडी, कंधमाल, मलकानगिरी), तेलंगाना (भद्राद्री-कोठागुड़ेम)। इसी तरह से अब अन्य प्रभावित जिले में छत्तीसगढ़ (दंतेवाड़ा, गरियाबंद, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी), झारखंड (लातेहार), ओडिशा (नुआपाड़ा), तेलंगाना (मुलुगु) शामिल हैं।

नक्सल हिंसा में भारी गिरावट- नक्सलवाद के खात्में के लिए बनाई गई नीति के सख्त और सुनियोजित क्रियान्वयन से देश भर में 2010 की तुलना में नक्सली हिंसा में 81% की कमी आ चुकी है, जबकि सुरक्षाबलों और आम नागरिकों की मौतों में 85% की गिरावट दर्ज की गई है। छत्तीसगढ़ में भी यही तस्वीर है। नारायणपुर जिले में इस साल अब तक 148 नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं। बीजापुर और सुकमा में भी सौ से अधिक नक्सली या तो मारे गए हैं या सरेंडर कर चुके हैं। इनमें कई मोस्ट वांटेड नाम भी शामिल हैं। 2023 में दंतेवाड़ा के अरनपुर में हुए एनकाउंटर में बस्तर डिवीजन के बड़े कमांडरों का खात्मा हुआ। कांकेर जिले में भी हाल ही में सुरक्षाबलों ने कई माओवादी नेताओं को ढेर किया। इन सबका नतीजा यह है कि माओवादी संगठन के पास अब वैसा ढांचा और नेतृत्व नहीं बचा है जैसा कभी था।

सरकार कर रही दोहरी रणनीति पर काम- नक्सलवाद को खत्म करने में सरकार ने दोहरी रणनीति अपनाई हुई है- एक ओर सुरक्षा बलों को अत्याधुनिक हथियार, ड्रोन, ट्रैकिंग तकनीक और बेहतर इंटेलिजेंस से लैस किया गया है तो दूसरी ओर आदिवासी समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा गया। यह संतुलन ही सफलता की कुंजी बना। पहले केवल सैन्य दबाव से नक्सलवाद को खत्म करने की कोशिश की जाती थी, लेकिन वह असफल रही क्योंकि जंगलों में छिपे नक्सली बार-बार लौट आते थे। पर जब विकास का विकल्प सामने आया, तब आदिवासी समाज ने नक्सलियों से दूरी बनानी शुरू की। आज स्थिति यह है कि खुद गांव के लोग पुलिस और प्रशासन को सूचना देने लगे हैं, जिससे माओवादियों की जड़ें और कमजोर हो रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में एक रैली में कहा था, "छत्तीसगढ़ की धरती अब रक्तरंजित नहीं, विकास की धरती बन रही है। हमारे जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और इस दशक के अंत तक देश नक्सलवाद की चुनौती से मुक्त होगा।" यह बयान केवल राजनीति नहीं, बल्कि उस हकीकत का आईना है जिसे आंकड़े और घटनाएं बार-बार साबित कर रही हैं। फिर भी यह लड़ाई पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। नक्सली संगठन भले कमजोर हो गए हों, लेकिन उनकी जड़ें पूरी तरह सूखी नहीं हैं। जंगलों में अभी भी कुछ बिखरे हुए गुट सक्रिय हैं, जो बीच-बीच में सुरक्षा बलों पर हमले की कोशिश करते रहते हैं। हाल ही में दंतेवाड़ा और सुकमा में आईईडी ब्लास्ट हुए थे। इन घटनाओं से साफ है कि आत्मसंतोष की कोई जगह नहीं है। सरकार और सुरक्षा बलों को अपनी मुहिम लगातार जारी रखनी होगी।

बन सकता है छत्तीसगढ़ का अनुभव देश के लिए मॉडल- विश्लेषण यही बताता है कि नक्सलवाद के खिलाफ छत्तीसगढ़ का अनुभव देश के लिए एक मॉडल बन सकता है। 78 वर्षों में पहली बार, भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर क्षेत्र के 29 गाँवों में गर्व से तिरंगा फहराया गया। यह ऐतिहासिक आयोजन दशकों के वामपंथी उग्रवादियों के नियंत्रण के बाद हुआ है, जहाँ ग्रामीणों को लंबे समय तक ऐसे त्योहार मनाने का अधिकार नहीं था। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस समारोह में ग्रामीणों ने नारायणपुर जिले में होराडी, गारपा, कछपाल, कोडलियार, कुतुल, बड़ेमाकोटि, पद्मकोट, कंदुलनार, नेलांगुर, पांगुर और रायनार में ध्वजारोहण हुआ। सुकमा में, रायगुडेम, तुमालपाड, गोलाकुंडा, गोमगुडा, मेट्टागुडा, उस्कावया और मुलकाथोंग जैसे गांवों से पहली बार तिरंगा फहराया। इस बीच, बीजापुर जिले में, कोंडापल्ली, जीदापल्ली, वटेबागु, करेंगुट्टा, पिडिया, गुंजेपार्टी, पुजारी, कांकेर, भीमाराम, कोरचोली और कोटपल्ली जश्न में उन्होंने बड़ी संख्या में भाग लिया। आज यहां निरंतर उग्रवाद-रोधी उपाय और विकास योजनाएँ इस क्षेत्र की तस्वीर बदल रही हैं।

राजनीतिक आजादी छीनना बहुत आसान

अजीत द्विवेदी

लोकतंत्र और आजादी सुनिश्चित करने के तमाम आधुनिक उपकरणों, जैसे संविधान आधारित शासन व्यवस्था, न्यायपालिका, मीडिया, तकनीक, नागरिक समाज आदि ने सचमुच लोकतंत्र और आजादी की रक्षा की है या इनके उत्तरोत्तर क्षरण का रास्ता बनाया है? यह एक जटिल सवाल है। एक समय 18वीं सदी के मध्य में महान दार्शनिक ज्यां जॉक रूसो के सामने सवाल था कि आधुनिक विज्ञान और कलाओं ने मनुष्य को बेहतर बनाया है या नैतिक रूप से भ्रष्ट बनाया है? रूसो का जवाब था कि आधुनिक कला और विज्ञान ने मनुष्य को नैतिक रूप से भ्रष्ट बनाया है। रूसो के निष्कर्ष के पौने तीन सौ साल और भारत की आजादी के 78 साल बाद कम से कम भारत के संदर्भ में कहा जा सकता है कि तमाम आधुनिक उपकरणों ने लोकतंत्र और आजादी को सीमित किया है या सीमित करने का प्रयास किया है। दुर्भाग्य की बात यह है कि देश के नागरिक भी किसी सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक या राजनीतिक दबाव में आजादी को सीमित करने के प्रयासों का समर्थन कर रहे हैं या उसमें सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। एक तरफ सरकारें वाक व अभिव्यक्ति की आजादी को नियंत्रित करने के नए कानून ला रही हैं और संप्रेषण के नए माध्यमों को भी सत्ता तंत्र की मदद से नियंत्रित किया जा रहा है तो दूसरी ओर नागरिक समाज स्वेच्छा से अपनी आजादी गंवाने की प्रक्रिया में शामिल हो रहा है। अगर नागरिक समाज अपने अधिकारों और अपनी आजादी के प्रति सजग रहे तो वह सरकारी दमन का सफल प्रतिरोध कर सकता है। लेकिन मुश्किल यह है कि नागरिक समाज ही अपनी आजादी गंवाने में प्रत्यक्ष या परोक्ष योगदान कर रहा है। असल में भारत में आजादी को सिर्फ एक राजनीतिक अवधारणा बना दिया गया है। जब आजादी की बात होती है तो घूम फिर कर बात इस पर आ जाती है कि आपको सत्ता प्रतिष्ठान या शीर्ष पर बैठे राजनेता की आलोचना का अधिकार है या नहीं? यानी राजनीतिक बयान देने का अधिकार है या नहीं? माना जाता है कि अगर आपको राजनीतिक बयान देने का अधिकार है तो इसका मतलब है कि आप आजाद हैं। लेकिन ऐसा नहीं होता है। आजादी किसी राजनीतिक प्रतिष्ठान या किसी संविधान ने नहीं दी है या वह राजनीतिक बयानों तक सीमित नहीं है। मनुष्य आजाद पैदा होता है और उसके मौलिक अधिकार, जिसमें खाने पीने की आजादी, पहनावे की आजादी, अपने मूल्यों के साथ जीवन जीने की आजादी आदि शामिल हैं, उसको स्वाभाविक रूप से मिलते हैं। लेकिन आजादी के 78 साल बाद यह स्थिति है कि कहीं खान पान की आजादी को नियंत्रित किया जा रहा है, कहीं पहनावे पर पाबंदी लगाई जा रही है, कहीं भाषा बोली को नियंत्रित किया जा रहा तो कहीं शादी की उम्र और पसंद को लेकर लोगों को कठघरे में खड़ा किया जा रहा है। इस बुनियादी बात को ही भुला दिया गया है कि अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब सिर्फ बोलने की आजादी नहीं है, बल्कि अपनी पसंद का जीवन जीने की आजादी है। यह ध्यान रखने की जरुरत है कि नागरिकों की मौन या मुखर सहमति और नागरिक समाज की भागीदारी के बगैर लोकतंत्र और आजादी पर पहरा नहीं बैठाया जा सकता है और न उसे सीमित किया जा सकता है। इंदिरा गांधी के प्रयास को इस देश के नागरिकों ने असफल बनाया था। मगर आज स्थितियां बदल गई हैं। अगर आज महाराष्ट्र में वहां की सरकार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मांस की बिक्री पर पाबंदी लगा रही है तो यह एक बड़े नागरिक समूह की सहमति के बगैर संभव नहीं है। पहली नजर में ऐसा लगेगा कि यह कितनी छोटी बात है! यह तर्क भी दिया जा रहा है कि अगर एक दिन मांसाहार नहीं करेंगे तो क्या आफत आ जाएगी! लेकिन यह छोटी बात नहीं है और न एक दिन की बात है। धार्मिक त्योहारों के सम्मान में नागरिक समाज की ओर से इसकी शुरुआत हुई थी। कहा गया कि जैन समुदाय के पर्यूषण पर्व के मौके पर महाराष्ट्र और देश के अन्य हिस्सों में मांस, मछली की दुकानें बंद रहेंगी। फिर कहा गया कि नवरात्रों में दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में मांस, मछली की दुकानें बंद रहेंगी। इसके बाद कहा गया कि कांवड़ यात्रा के समय कांवड़ के पूरे रास्ते में मांसाहार की दुकानें बंद रहेंगी। और अब कहा जा रहा है कि स्वतंत्रता दिवस के दिन भी लोगों को मांसाहार की आजादी नहीं होगी। नागरिक समाज या एक धार्मिक समूह की ओर से किसी खास त्योहार के मौके पर पाबंदी लगाने की जो शुरुआत हुई थी वह सांस्थायिक होती जा रही है। सरकार अब कानून बना कर या आदेश पारित करके लोगों की फूड च्वाइस को नियंत्रित करना चाहती है। इसको छोटी बात नहीं माना जा सकता है। क्योंकि यह संयोग नहीं, बल्कि प्रयोग का हिस्सा है। एक बड़ा समूह इस पर चुप है, लेकिन इस चुप्पी में उसकी रक्षा नहीं है। आगे उसकी भी बारी आएगी। इसी तरह एक कथित संत अनिरुद्धाचार्य ने लड़कियों को लेकर एक बेहद आपत्तिजनक बयान दिया। उन्होंने 25 साल की उम्र से पहले शादी की सलाह देते हुए कहा कि '25 साल की लड़की चार जगह मुंह मार चुकी होगी तो वह किसी रिश्ते को कैसे निभाएगी। इस पर विवाद हुआ तो एक स्टैंडर्ड सफाई आई कि उनकी बातों को काट छांट कर प्रस्तुत किया गया। इसके बाद आए एक दूसरे कथित सम्मानित संत प्रेमानंद जी महाराज आए तो उन्होंने अपना निष्कर्ष सुनाया कि, 'आजकल सौ में मुश्किल से चार पांच लड़कियां ही पवित्र होती हैं, बाकी सब ब्वॉयफ्रेंड गर्लफ्रेंड में लगे रहते हैं। इनके समर्थन में उतरे महंत राजू दास ने महिलाओं को लेकर कहा, 'समाज में अर्धनग्न घूम रहे हैं यह उचित नहीं है। मातृशक्ति पूजा के योग्य है लेकिन अर्धनग्नता नहीं, यह समाज में स्वीकार के योग्य नहीं है। ये तीन बयान सिर्फ विवादित बयान नहीं हैं। इनकी भाषा तो बेहद भद्दी, अश्लील और आलोचना के योग्य है ही लेकिन इसके पीछे का पूरा विचार आजादी को प्रतिबंधित करने वाला है। दुर्भाग्य से यह काम कोई सरकार नहीं कर रही है, बल्कि सत्ता संरक्षित कथित संत इस तरह की बातें कर रहे हैं और नागरिक समाज उसका समर्थन और बचाव कर रहा है। अब सवाल है कि अगर 78 साल में हमारी आजादी मजबूत हुई है, हमारा लोकतंत्र मजबूत हुआ है, तकनीक ने हमें अपने को अभिव्यक्त करने की बेहतर सुविधा दी है तो हम उसका क्या कर रहे हैं? हम इस प्रचार का हिस्सा बन रहे हैं कि लड़कियों को 25 साल की उम्र तक माता पिता की पसंद से शादी कर लेनी चाहिए नहीं तो उसको 'चार जगह मुंह मारने वाला कहा जाएगा, उसको चरित्रहीन ठहराय जाएगा और रिश्ते निभाने की उसकी क्षमता पर सवाल उठाया जाएगा! यह एक बहुत बड़ा विषय है, जिसकी गहराई में जाएं तो बहुत पन्ने काले करने होंगे लेकिन मुख्य रूप से यह स्त्रियों की पढ़ने लिखने, नौकरी करने, अपनी योग्यता साबित करने और उम्र के किसी भी पड़ाव पर अपनी पसंद से शादी करने या अपनी पसंद के व्यक्ति के साथ रहने की आजादी को सीमित करने का प्रयास है। पता नहीं क्यों भारत का समाज स्त्रियों से इतना घबराया हुआ है कि ये कथित साधु संत आगे किए गए हैं आजादख्याल स्त्रियों को चरित्रहीन साबित करने और उनकी आजादी को नियंत्रित करने के लिए? ऐसा लग रहा है कि आजादी के 78 साल बाद भारत के सत्ता तंत्र को समझ में आ गया है कि जोर जबरदस्ती से आजादी को नियंत्रित नहीं किया जा सकता है ।

मेष राशि : मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र के सकारात्मक माहौल में काम करने को मिलेगा और कलीग्स के साथ आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे। आज आप नया काम शुरू करेंगे, जिसमें आपको अच्छी सफलता मिलने के योग हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आज आप दूसरों की मदद करने की हर संभव कोशिश करेंगे।

वृषभ राशि : आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज आपके पारिवारिक जीवन में खुशियां देखने को मिलेंगी और बहुत समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। आज कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा और आप अपने मित्रों के साथ आनंदपूर्वक दिन बिताएंगे। इस राशि के छात्रों को आज किसी प्रतियोगिता में शामिल होने का मौका मिलेगा , जिसमें वे बहुत अच्छा परफॉर्म करेंगें।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहेगा। आज आपको नौकरी में उत्तम परिणाम देखने को मिलेंगे। आज आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। आज आप कार्यस्थल पर विरोधियों से बचकर रहें, वे आपका काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं। आज आप अपने काम पर फोकस करेंगे और आपकी एकाग्रता ही आपको सफलता दिलाएगी।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए आनंद से भरा रहेगा। आज आपको खुशखबरी मिलेगी, नौकरी में प्रमोशन की आपकी प्रतीक्षा ख़त्म होगी। आज नई पोस्ट पर काम का दबाव बढ़ेगा और आप पूरी सावधानी से काम करेंगे। आज आप घर परिवार की समस्याओं को सुलझाने में कामयाब रहेंगे। आज आपके लिए आर्थिक लाभ की स्थिति बनी रहेगी।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आपको अनेक साधनों से आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आपको संतान की ओर से सुखद समाचार प्राप्त होगा। आज आपकी नौकरी में सफलता के योग हैं और आपकी सैलरी भी बढ़ सकती है। आज जमीन जायदाद के मामलों में कुछ समस्या आएगी, लेकिन कोर्ट कचहरी में आपको सफलता मिलेगी।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए खास रहेगा। आज कार्यक्षेत्र में आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा, ऑफिस के सभी लोग आपकी तारीफ करेंगें। इस राशी के कला और अभिनय से जुड़े व्यक्तियों को आज किसी बड़ी हस्ती से मिलने का मौका मिलेगा। आज पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा, संतान को लेकर उलझने दूर होगी।

तुला राशि: आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज आप किसी बिजनेस की शुरुआत कर सकते हैं, भविष्य में जिसमें आपको अच्छा लाभ होगा। आज आपके पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी और कार्य क्षेत्र में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। किसी एंट्रेस एग्जाम की तैयारी कर रहे छात्रों को जल्द ही सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन बदलाव लाने वाला है। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। आज आप किसी संस्था के साथ जुड़कर जरुरतमंदों की मदद करेंगें। आज आप जो भी निर्णय करें, पहले थोड़ा सोच – समझ लें। आज आप व्यापार में विकास के लिए किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेंगे और आपकी योजनाएं सफल होंगी। आज आपकी आर्थिक स्तिथि अच्छी रहेगी, आपको धन लाभ होने के अवसर प्राप्त होंगें।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और पूरे मनोबल के साथ आप कार्यक्षेत्र में अपने कार्यों को पूरा करेंगे। आज आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी और परिवार के साथ आप खूबसूरत जगहों पर घूमने जा सकते हैं। आज जीवन साथी के साथ आपकी बॉन्डिंग अच्छी रहेगी।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपकी कुछ नये लोगों से मुलाकात होगी। आज आपके निजी प्रयासों से उत्तम सफलता मिलेगी। आज आपके लिए अचानक धन लाभ की संभावना बनेगी और कार्यक्षेत्र में आपके काम को देखते हुए अच्छी पदोन्नति भी मिलेगी।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप अपनी नौकरी बदलने का प्रयास करेंगे और इसमें आपको सफलता मिलने की संभावना है। आज आपकी सैलरी में वृद्धि होगी, आपकी आर्थिक स्थिति में संतुलन बना रहेगा। आज आपको किसी पारिवारिक समारोह में शामिल होने का मौका मिलेगा। आज आपके परिवारिक जीवन में सुख शांति बनी रहेगी।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक – ठाक रहने वाला है। आज आपको व्यापार में धन लाभ होगा लेकिन खर्च की भी अधिकता रह सकती है। आज आप किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। आज कोर्ट – कचहरी के मामलें में बड़ी राहत मिलेगी और जल्द ही फैसला आपके पक्ष में होगा।

हमारा स्वास्थ्य ढांचा और डॉ. भागवत का बयान

डॉ. अजय खेमरिया

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने पिछले दिनों इंदौर में महंगी स्वास्थ्य एवं शिक्षा प्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाले भारत में महंगी चिकित्सा सुविधाएं निःसन्देह चिंता का विषय है। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि निजी अस्पताल मरीजों को एटीएम समझते हैं। असल में भारत का स्वास्थ्य क्षेत्र गंभीर विसंगतियों से भरा हुआ है। एक तरफ तो हम सस्ती दवाओं और वैक्सीन के उत्पादन में विश्व भर में शीर्ष पर है लेकिन हमारे ही नागरिक दुनिया में अपने स्वास्थ्य पर अपनी जेब से सर्वाधिक पैसा भी खर्च करते हैं।देश में आर्थिक भेदभाव कम हो रहा है इसे दुनिया के तमाम संगठन मान रहे हैं लेकिन यह भी तथ्य है कि देश में करीब 7 फीसदी लोग महंगे इलाज के कारण गरीबी के गर्त में हर साल पहुँच जाते हैं। पिछले साल दिल्ली के एक निजी अस्पताल का किडनी उपचार सम्बंधित बिल 2473894 रुपये का बनाया गया था। यह बानगी भर है कि निजी क्षेत्र का स्वास्थ्य तन्त्र किस तरह काम कर रहा है। एसीकेओ इंडिया हेल्थ इंडेक्स की हालिया रिपोर्ट कहती है कि देश में हर साल इलाज महंगा होने की दर 14 फीसदी है। एक सरकारी आंकड़े के मुताबिक आयुष्मान भारत जैसी बेहतरीन योजना के बाबजूद देश में अभी भी 40 फीसदी लोग अपने स्वास्थ्य पर अपनी जेब से खर्च कर रहे हैं जिसे ओओपीई (आउट ऑफ पॉकेट एक्सपेंडिचर) कहा जाता है। यह आंकड़ा वैश्विक औसत 18 फीसदी से काफी अधिक है। हालांकि आयुष्मान भारत के बाद स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च 29 से बढ़कर 48 प्रतिशत हुआ है, यह एक अच्छा संकेतक है। डॉ मोहन भागवत ने जिस समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट किया है वह आम आदमी के दर्द को अधोरेखित करने वाला है क्योंकि 23 फीसदी लोग अभी भी अस्पताल के खर्चों के लिए उधार लेने पर मजबूर हैं। महंगी स्वास्थ्य सेवाओं का सबसे अहम पहलू दवाओं से जुड़ा है क्योंकि दवाएं अभी भी बहुत महंगी है। निजी क्षेत्र में उपचार के दौरान 70 से लेकर 90 फीसदी तक एलोपैथी दवाएं ब्रांडेड ही उपयोग में आ रही हैं ,जबकि सरकार ने सस्ती जेनरिक दवाओं के लिए प्रधानमंत्री जन औषिधि केंद्र आरम्भ किये है। इन केंद्रों पर 90 फीसदी तक दवाओं के दाम ब्रांडेड दवाओं की तुलना में कम होते हैं। जेनेरिक दवाओं के लिए सरकारी प्रयास फार्मा लॉबी के दबाव में फलीभूत नहीं हो पा रहे हैं।अभी तक देश भर में 15057 जेनेरिक स्टोर खुल पाए हैं और विसंगति यह है कि इन स्टोरों में ब्रांडेड दवाओं की बिक्री भी जेनेरिक के साथ में की जा रही है। भारत में एलोपैथी दवाओं का सालाना कारोबार 4.2 लाख करोड़ का है। करीब 3 लाख करोड़ की खपत भारतीय बाजार में है और 1.2 लाख करोड़ की दवाएं निर्यात की जाती हैं। सरकार को सर्वोपरि प्राथमिकता पर इसी क्षेत्र में काम करने की आवश्यकता है। अभी जेनेरिक दवाओं की तुलना में ब्रांडेड दवाओं की कीमतें 30 से 2000 फ़ीसदी तक महंगी बिक रही हैं। ब्रांडेड दवाओं के इस संगठित कारोबार को रोक कर महंगे इलाज को झटके में जमीन पर लाया जा सकता है। असल में देश को हरित क्रांति की तरह दवा क्रांति की आवश्यकता भी है क्योंकि अभी इस क्षेत्र में कोई खास विनियमन नहीं है। आजादी के समय यूरोपीय पेटेंट वाली दवाएं इसलिए महंगी थी क्योंकि हमारे यहां उत्पादन ही नहीं था। 1970 में पेटेन्ट एक्ट के बाद भारत ने दवाओं के निर्माण में अभूतपूर्व काम किया। आज हम विश्व के अग्रणी उत्पादक हैं। कोरोना वैक्सीन में भारत का यह दम दुनिया ने देखा ही है। महंगे इलाज का दूसरा कारक स्वास्थ्य क्षेत्र के कॉर्पोरेटाइजेशन (निगमीकरण) का है क्योंकि देश में 1980 तक स्वास्थ्य प्रदाता के रूप में धर्मार्थ न्यास या फाउंडेशन ही सक्रिय थे और सबका उद्देश्य मुनाफा नहीं सेवा मुख्य था। इसके बदले में सरकार ने गरीबों को सस्ते इलाज और स्थानीय रोजगार के नाम पर मुफ्त जमीनें दी और टैक्स रियायतें उपलब्ध कराई। आज इस क्षेत्र में नए खिलाड़ी आ गए हैं जिनका उद्देश्य कारपोरेट घरानों की तरह कारोबार करना है। यही कारण है कि देश के दो तिहाई अस्पताल शहरी क्षेत्रों में हैं और इन अस्पतालों से महज एक तिहाई आबादी को ही सेवाओं का कवरेज मिल रहा है। निजी अस्पतालों की सघनता शहरी क्षेत्रों में घनीभूत है क्योंकि निवेशकों की नजर ज्यादा पैसे वाले क्षेत्रों में ही होती हैं। ध्यान देने वाला तथ्य यह है कि इन शहरी क्षेत्रों में आने वाले अधिसंख्य मरीज उन बीमारियों के होते हैं जिनको आरम्भिक शिकायत पर ही ठीक किया जा सकता है लेकिन सार्वजनिक सेवाओं का ढांचा ग्रामीण कस्बाई स्तर पर मृत प्रायः है। नतीजतन शहरी स्वास्थ्य सेवाओं पर आम आदमी की निर्भरता मजबूरी बन जाती है। यह तथ्य है कि आजादी के बाद पहली मर्तबा स्वास्थ्य और संबद्ध सेवाओं पर सुव्यवस्थित ढंग से काम आरम्भ हुआ है। पेयजल, स्वच्छता और आवास के तीन प्रमुख स्वास्थ्य से सम्बद्ध क्षेत्रो में मोदी सरकार ने पिछले दस साल में बुनियादी काम संस्थित किये हैं। इन तीनों विषयों पर मिशन मोड में काम भी प्रगति पर है।इसी तरह आयुष्मान भारत योजना ने भी स्वास्थ्य पर निजी खर्च (ओओपीई)को 63 से 40 प्रतिशत पर लाने का काम किया है। जनवरी 2025 तक 36.9 करोड़ आयुष्मान कार्ड देश में क्रियाशील है। योजना के तहत 8.5 करोड़ लोगों के इलाज पर सरकार ने 1.40 लाख करोड़ की राशि अब तक खर्च की है। इस तस्वीर के पीछे दो धब्बे भी हैं जिन पर चर्चा नहीं हो रही है। पहला यह कि 4.3 करोड़ मरीजों के इलाज आयुष्मान के तहत निजी अस्पतालों में हुए है और सरकारी अस्पतालों में यह आंकड़ा 4.2 है। देश का एक भी राज्य ऐसा नहीं है जहां आयुष्मान योजना में निजी अस्पतालों ने फर्जीवाडा नही किया हो। यानी मरीज को बिना भर्ती किये ही उसे भर्ती दिखाकर अरबों रुपये का गोलमाल हुआ है। डॉ. भागवत देशभर में सतत प्रवास करते हैं और उनके कहने का सार इन्ही विसंगतियों की ओर ही है। दूसरा तथ्य यह कि इस योजना का 50 प्रतिशत लाभ दक्षिण के पांच राज्य केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना के नागरिकों द्वारा उठाया गया है। यहां एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह कि इन पांच राज्यों में लोग सरकारी अस्पतालों में इस योजना का सर्वाधिक लाभ ले रहे हैं। यानी इलाज के लिए निजी अस्पतालों पर निर्भरता नहीं है। इसका मतलब यह भी है कि सरकारी अस्पतालों में इलाज का जो आंकड़ा निजी के बराबर दिख रहा है उसमें पांच दक्षिणी राज्यों का निर्णायक योगदान है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाली सीरीज खेलना चाहते हैं रोहित

मुम्बई। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले दोनो ही की ए टीमों के बीच होने वाले मुकाबले खेलना चाहते हैं। वहीं इस बात की चर्चाएं हैं कि इस सीरीज के बाद रोहित और विराट कोहली को संन्यास लेना पड़ेगा पर अब जिस प्रकार से रोहित ने भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाली सीरीज खेलकर अभ्यास करने का फैसला किया है। उससे लगता नहीं है कि अभी उनका खेल को अलविदा कहने का इरादा है। ऐसे में उनके संन्यास की अटकलें लगा रहे लोगों को करारा झटका जरुर लगा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एकदिवसीय प्रारुप के भारतीय टीम के कप्तान रोहित भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाले तीन अनौपचारिक एकदिवसीय मैचों में खेलने के इच्छुक हैं। ये तीन मैच 30 सितंबर से 5 अक्टूबर के बीच कानपुर में खेले जाएँगे। ये मुकाबले भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे से ठीक पहले होंगे। भारतीय टीम को इस दौरे में 3 एकदिवसीय और 5 टी20 मैच खेलने हैं। रोहित ने अंतिम बार इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में खेला था। उसके बाद से ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। रोहित ने अभ्यास भी शुरु कर दिया है। वह मैच फिटनेस के लिए ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ खेलना चाहते हैं जिससे सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर सकें और ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए कमजोर न पड़ें। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार चयनकर्ता 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए रोहित से आगे देख रहे हैं। वहीं इसमें आगे कहा गया था कि रोहित को एकदिवसीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए दिसंबर 2025 में शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के लिए कहा जाएगा।

अश्विन ने बताया संन्यास का कारण

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के दौरान अचानक ही संन्यास लेने वाले दिग्गज स्पिनर आर आश्विन ने अब उनके इस फैसले का कारण बताया है। : अश्विन ने अपने प्रशंसकों से कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे में बेंच पर ही बैठे-बैठे थक गये थे। ऐसे में उनके पास संन्यास लेने के अलावा कोई और रास्ता नहीं था। अश्विन के संन्यास से उनके प्रशंसक भी सकते में आ गये थे, कई लोगों ने इसके लिए कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन को जिम्मेदार बताया था। अश्विन ने संन्यास से पहले राहुल द्रविड़ से मजाक में कहा मुझे लगता है कि यह बस समय की बात थी, और मैं अपनी जिंदगी में कहां खड़ा था, है ना? मुझे लगता है कि मैं काफी बूढ़ा हो गया था, यह तो मानना ही पड़ेगा।

इसके बाद उन्होंने असली वजहों को बताया और कहा कि विदेशी दौरों पर लगातार बैंच पर बैठने की निराशा से वह थक गये थे। अश्विन ने कहा, दूर पर जाना और ज्यादा समय तक बाहर बैठना, आखिरकार मुझ पर हावी हो गया, इससे मेरे मन में खेल से दूर जाने के विचार आने लगे। उन्होंने कहा कि परिवार के साथ समय बिताना भी एक कारण था। साथ ही कहा, मेरा मतलब यह नहीं है कि मैं टीम में योगदान नहीं देना चाहता, बल्कि आप सोच रहे हैं कि क्या मैं घर पर रहकर बच्चों के साथ समय बिताना पसंद करूंगा। वे भी बड़े हो रहे हैं, और मैं असल में क्या कर रहा हूं? अश्विन ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए बहुत पहले ही समय सीमा तय कर ली थी। उन्होंने कहा, मेरे दिमाग में हमेशा से यही था कि मैं 34-35 साल की उम्र में संन्यास ले लूंगा। उन्होंने आगे कहा कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त हो गया है पर वह घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे।

आईसीसी ने महिला विश्वकप के लिए मैच स्थल में किया एक बदलाव

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले महीने होने वाले महिला एकदिवसीय विश्व कप के लिए एक बदलाव किया है। आईसीसी ने कहा है कि अब बेंगलुरु में होने वाले मैच मुम्बई में होंगे। आईसीसी ने पांच स्थानों में से एक के रूप में बेंगलुरु को सूची से हटा दिया है। विश्वकप टूर्नामेंट 30 सितंबर से शुरू होगा जिसमें अब नवी मुंबई स्थित डीवाई पाटिल स्टेडियम में तीन लीग मैच, एक सेमीफाइनल खेला जाएगा। पाकिस्तान के बाहर होने पर फाइनल सहित पांच मैच यहां आयोजित किए जाएंगे। आईसीसी के अनुसार बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के उपलब्धि नहीं होने के कारण मैच स्थल को मुम्बई कर दिया गया है। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा, ' अप्रत्याशित हालातों के कारण हमें कार्यक्रम में से हल्का बदलाव करना पड़ा है। हमें खुशी है कि हमारे पास 5 विश्वस्तरीय स्थान हैं, जहां महिला क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ मैच देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा, 'मंच तैयार है और मुझे विश्वास है कि यह टूर्नामेंट कल्पनाओं को साकार करते हुए प्रशंसकों की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए अन्य मैच स्थलों में गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और कोलंबो शामिल हैं। आईसीसी ने हालांकि बेंगलुरु को हटाने के स्पष्ट कारणों के बारे में नहीं बताया है पर पूरी संभावना है कि यह परिवर्तन कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ द्वारा मेजबानी के लिए आवश्यक मंजूरी हासिल करने में असफल होने के कारण किया गया। गौरतब है कि इस साल की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल जीत की खुशी में हुए जश्न के दौरान मची भगदड़ की जांच के बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम को बड़ी प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए अयोग्य करार दिया गया था।

यूपी टी20 लीग क्रिकेट टूर्नामेंट : रिंकू ने तेजी से शतक लगाकर मेरठ मावेरिक्स को जीत दिलायी

लखनऊ। बल्लेबाज रिंकू सिंह ने यहां जारी यूपी टी20 लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में तेजी से अर्धशतक लगाकर अपना पुराना फार्म हासिल कर लिया है। इस टूर्नामेंट में मेरठ मावेरिक्स की कप्तानी कर रहे रिंकू ने गोरखपुर लायंस के खिलाफ मुकाबले में शतक लगाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। रिंकू ने अपनी इस पारी में जमकर चौके और छक्के लगाये। उन्होंने 48 गेंदों पर 8 छक्के और 7 चौके के साथ ही नाबाद 108 रन बनाए। रिंकू जब बल्लेबाजी के लिए उतरे थे जब उनकी टीम ने 38 रनों पर ही 4 विकेट खो दिये थे। इसके बाद रिंकू ने आक्रामक रुख अपनाते हुए आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। रिंकू ने इसी के साथ ही एशिया कप के लिए भी अपने चयन को भी सही साबित किया है। इस मैच में मेरठ मावरिक्स की टीम को जीत किए 168 रनों का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए रिंकू की टीम ने 8 ओवर में 38 रनों पर ही चार विकेट खो दिये। उसके शीर्ष क्रम के चार बल्लेबाज 15 रन भी नहीं बना पाये। इसके बाद रिंकू ने युवराज सिंह के साथ मिलकर पांचवे विकेट के लिए 65 गेंदों पर ही 130 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। युवराज सिंह ने भी 22 गेंदों पर नाबाद 22 रन बनाकर रिंकू का अच्छा साथ निभाया। रिंकू ने मेरठ मावरिक्स की पारी के 19वें ओवर की शुरुआती 3 गेंदों पर छक्के लगाकर मैच पलट दिया। इससे पहले उन्होंने 18वें ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाया था। वहीं गोरखपुर लायंस ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ध्रुव जुरेल के 38 रनों की सहायता से 9 विकेट पर 167 रन बनाए थे।

श्रेयस को एकदिवसीय कप्तान बनाने की कोई बात नहीं हुई : सैकिया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि उसका इरादा भविष्य में एक ही खिलाड़ी को टीम की कप्तानी देना है। ऐसे में इस प्रकार की रिपोर्ट गलत है जिसमें कहा गया है कि आने वाले समय में एकदिवसीय प्रारुप की कप्तानी श्रेयस अय्यर को सौंपी जाएगी। शुभमन अभी टेस्ट कप्तान और टी20 में उपतान बनाये गये हैं और भविष्य में उनके ही तीनों प्रारुपों की कमान संभालने की उम्मीद है। वहीं इससे पहले कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि बोर्ड अय्यर को एकदिवसीय कप्तान के तौर पर रोहित शर्मा की जगह पर रखना चाहता है। इसमें कहा गया था कि शुभमन को भविष्य में सूर्यकुमार यादव के बाद टी20 की भी कप्तानी सौंपी जाएगी और अय्यर एकदिवसीय की जिम्मेदारी संभालेंगे पर बीसीसीआई ने उन रिपोर्ट्स को गलत बताया है। बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं हुई है। साथ ही कहा कि आगे चलकर तीनों ही प्रारुपों की कमान एक ही खिलाड़ी को मिल सकती है।

रोहित अभी 38 साल के हैं और उनका कैरियर समाप्त होने की ओर है। उन्होंने टी20 और टेस्ट क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले लिया है। ऐसे में उनकी नजर 2027 के एकदिवसीय विश्वकप पर है। इस प्रारुप में वह अभी भी विश्व के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में हैं। हालांकि, बढ़ती उम्र की वजह से वह अगले विश्व कप तक खेल पाएंगे इसकी संभावना बेहद कम है। ऐसे में श्रेयस एकदिवसीय में रोहित के उत्तराधिकारी के लिए दावेदार तो हैं प वह बोर्ड की पहली पसंद नहीं हैं। उनकी जगह पर वर्तमान टेस्ट कप्तान शुभमन गिल एकदिवसीय कप्तानी के लिए पहली पसंद हैं। शुभमन का एकदिवसीय में 59 का औसत है और पहले से ही टीम के उपकप्तान हैं। उनकी उम्र भी अभी 25 साल ही है और उनके सामने लंबा समय है। ऐसे में उनके भविष्य में एकदिवसीय कप्तान बनने की सबसे ज्यादा उम्मीद है।

व्यापार

शेयर बाजार में 6 दिन से जारी तेजी पर लगा ब्रेक, गिरावट के साथ सेंसेक्स और निफ्टी बंद

नई दिल्ली, घरेलू शेयर बाजार में आज चौतरफा गिरावट का रुख नजर आया। इसके साथ ही शेयर बाजार में पिछले 6 कारोबारी दिनों से जारी तेजी का सिलसिला आज थम गया। माना जा रहा है कि अमेरिकी टैरिफ की चिंता, भारत में आर्थिक अस्थिरता का संकेत देने वाले इंडिया वीआईएक्स इंडेक्स में आई तेजी और रुपये की कमजोरी के कारण घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार दबाव बना रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी मामूली गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही कुछ मिनट तक खरीदारी भी हुई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जो पूरे दिन जारी रहा। दिन भर के कारोबारी के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 0.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस और मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह आईटी, रियल्टी, एनर्जी, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, हेल्थ केयर और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में मामूली खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। एनएसई में आज 2,718 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,056 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,662 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर बढ़त के साथ और 23 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 8 शेयर हरे निशान में और 42 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 49.23 अंक की कमजोरी के साथ 81,951.48 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले मिनट में ही ये सूचकांक उछल कर 81,993.61 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके तुरंत बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण सेंसेक्स की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 708.94 अंक टूट कर 81,291.77 अंक तक गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 693.86 अंक की गिरावट के साथ 81,306.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 19.60 अंक टूट कर 25,064.15 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले मिनट में ही ये सूचकांक उछल कर हरे निशान में 25,084.85 अंक तक पहुंचा। इसके तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के कुछ मिनट पहले ये सूचकांक 224.60 अंक लुढ़क कर 24,859.15 अंक के स्तर तक आ गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई मामूली खरीदारी के कारण निफ्टी निचले स्तर से करीब 11 अंक की रिकवरी करके 213.65 अंक की कमजोरी के साथ 24,870.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिन भर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.83 प्रतिशत, मारुति सुजुकी 0.48 प्रतिशत, भारती एयरटेल 0.18 प्रतिशत, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 0.17 प्रतिशत और टाइटन कंपनी 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, एशियन पेंट्स 2.42 प्रतिशत, ग्रासिम इंडस्ट्रीज 2.34 प्रतिशत, अदानी एंटरप्राइजेज 2.20 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट 2.18 प्रतिशत और हीरो मोटोकॉर्प 1.95 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

रुपया 11 पैसे टूटकर 87.36 प्रति डॉलर पर

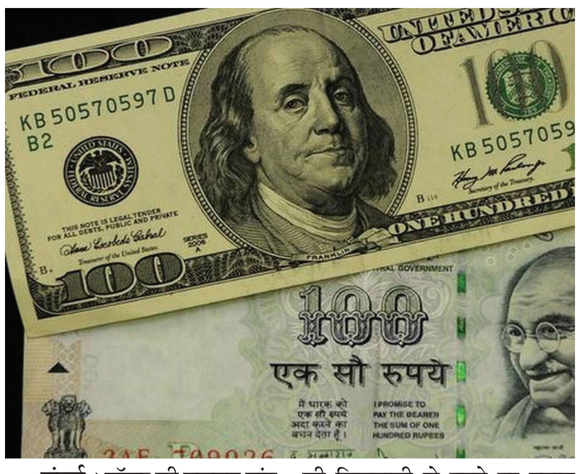

मुंबई। डॉलर की मजबूत मांग के बीच शुक्रवार को भारतीय रुपया 11 पैसे टूटकर 87.36 प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.37 पर खुला और जल्द ही 87.36 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद स्तर 87.25 से 11 पैसे की गिरावट दर्शाता है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार वैश्विक स्तर पर डॉलर की मजबूती और विदेशी निवेशकों की बिकवाली से रुपये पर दबाव बना है। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और सीमित विदेशी पूंजी प्रवाह के चलते रुपये में ज्यादा गिरावट नहीं हुई। डॉलर सूचकांक, जो छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाता है, 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ 98.72 पर पहुंच गया। इससे अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और स्पष्ट हो गई है।

वैश्विक दबाव और निवेशकों की सतर्कता से शेयर बाजार में गिरावट

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ खुले। वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों और प्रमुख कंपनियों में बिकवाली ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। बीएसई सेंसेक्स 81,951 अंक पर खुला और शुरुआती कारोबार में 227.24 अंक गिरकर 81,773.47 पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी50 ने 25,064.15 पर शुरुआत की और 9:27 बजे तक 87.90 अंक गिरकर 24,996 पर कारोबार कर रहा था। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज में बिकवाली से प्रमुख सूचकांकों पर दबाव रहा। हालांकि बीते छह कारोबारी सत्रों में बाजार ने दमदार प्रदर्शन किया है। सेंसेक्स में 2.2 और निफ्टी में 2.4 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। गुरुवार को भी मामूली बढ़त देखने को मिली थी। इस तेजी में घरेलू संस्थागत निवेशकों का बड़ा योगदान रहा, जिन्होंने गुरुवार को 2,546 करोड़ के शेयर खरीदे। वहीं विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 1,247 करोड़ की खरीदारी की। वहीं एशियाई बाजारों में भी मिलाजुला रुख देखने को मिला। कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.06 फीसदी चढ़ा, जापान का निक्केई 0.13 फीसदी और हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 0.33 फीसदी ऊपर रहा। लेकिन ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 मामूली गिरावट में रहा। इस बीच पॉवेल के भाषण से पहले गुरुवार को अमेरिकी बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। एसएंडपी 500 में 0.4 प्रतिशत, नैस्डैक कंपोजिट में 0.34 प्रतिशत और डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.34 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों को फेड चेयर के संभावित सख्त बयान का डर था। अब निवेशक पॉवेल के भाषण से संकेत ढूंढेंगे कि क्या अमेरिकी सेंट्रल बैंक सितंबर में ब्याज दरों में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती करेगा। कम अमेरिकी ब्याज दरें उभरते बाजारों को, खासकर भारत को, विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक बनाती हैं।

सोने और चांदी की कीमतों में उछाल

24 कैरेट सोना 1,00,910 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 1,16,100 प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली। अगस्त महीने में सोने और चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग, डॉलर की स्थिति और घरेलू स्तर पर ज्वेलरी की बढ़ती मांग के चलते कीमती धातुओं के दामों में तेजी देखी जा रही है। शुक्रवार को सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर उछाल दर्ज किया गया। शुक्रवार को दिल्ली समेत देश के कई प्रमुख शहरों में 24 कैरेट सोना 1,00,910 रुपए प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,460 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। चांदी की कीमत में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है और यह 1,16,100 प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। प्रमुख शहरों की बात करें तो दिल्ली, अयोध्या,

चंडीगढ़, जयपुर और लखनऊ में सोने के दाम समान हैं। वहीं हैदराबाद में 24 कैरेट सोने का भाव 1,00,760 और 22 कैरेट का 92,310 प्रति 10 ग्राम रहा। इस बढ़ोतरी के पीछे वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं की कीमतों में उछाल, निवेशकों का रुझान, और त्योहारी सीजन की तैयारी एक अहम वजह मानी जा रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक आने वाले दिनों में कीमतों में और तेजी आ सकती है। बाजार की मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि आने वाले हफ्तों में सोने और चांदी की कीमतें निवेशकों और ग्राहकों के लिए अहम भूमिका निभाएंगी।

राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन ने जुलाई में 2.72 करोड़ रुपये का रिफंड दिलाया

नई दिल्ली, राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) ने जुलाई महीने में 27 क्षेत्रों में 7,256 उपभोक्ता शिकायतों का समाधान करते हुए 2.72 करोड़ रुपये का रिफंड दिलाया है। ई-कॉमर्स क्षेत्र में रिफंड संबंधी शिकायतों की संख्या सबसे अधिक 3,594 रही, जिसके परिणामस्वरूप 1.34 करोड़ रुपये का रिफंड हुआ। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के मुताबिक एनसीएच के बाद यात्रा एवं पर्यटन क्षेत्र का स्थान रहा, जहां 31 लाख रुपये का रिफंड हुआ। एनसीएच में कॉल की संख्या दस गुना से ज्यादा बढ़ गई है, जो दिसंबर 2015 में 12,553 से बढ़कर दिसंबर 2024 में 1,55,138 हो गई है। इसी प्रकार औसत मासिक शिकायत पंजीकरण 2017 में 37,062 से बढ़कर 2024 में 1,11,951 हो गए हैं। इसके अलावा डिजिटल माध्यमों को अपनाने वाले उपभोक्ताओं की संख्या में भी तेजी आई है और वॉट्सऐप के जरिए शिकायत पंजीकरण मार्च 2023 में 3 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2025 में 20 फीसदी हो गया है। एनसीएच उपभोक्ताओं, सरकारी एजेंसियों, निजी क्षेत्र की कंपनियों और नियामक निकायों को एक साथ लाने वाले एक एकीकृत मंच के रूप में कार्य करता है। हेल्पलाइन के तकनीकी परिवर्तन ने इसकी पहुंच और दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

द बैड्स आफ बालीवुड: आर्यन खान की सीरीज की स्टार कास्ट, रिलीज डेट और मिस्ट्री कैमियो समेत जानें सब कुछ

बालीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान नेटफ्लिक्स सीरीज द बैड्स आफ बालीवुड के साथ निर्देशन में डेब्यू कर रहे हैं. यह शो इंडस्ट्री की चमक-दमक और गपशप को उजागर करता है. शो का फर्स्ट लुक पहले ही सुर्खियों में छाया हुआ था. ऐसे में शो के प्रीव्यू ने दर्शकों की उत्साह और बढ़ा दी है. प्रीव्यू पुराने जमाने के रोमांस से लेकर एक तीखे, आधुनिक ड्रामा की ओर एक स्टाइलिश बदलाव का संकेत देता है. इस सीरीज में लक्ष्य और सहर बाम्बा मुख्य भूमिका में हैं. इनके अलावा, सीरीज में बाबी देओल, मोना सिंह, राघव जुयाल, अन्या सिंह, मनोज पाहवा, गौतमी कपूर और रजत बेदी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं. अपनी पहली फिल्म किल से सबको प्रभावित करने वाले लक्ष्य इस शो में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं. बाबी देओल एक सुपरस्टार की भूमिका निभा रहे हैं.राघव जुयाल, जो किल में लक्ष्य के साथ नजर आए थे, भी इस सीरीज में उनके दोस्त का किरदार निभा रहे हैं. मोना सिंह लक्ष्य की मां की भूमिका निभाएंगी. अन्या सिंह उनकी सीधी-सादी मैनेजर की भूमिका निभाएंगी. आर्यन खान ने अपने पहले निर्देशन वाली सीरीज को दमदार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़े है. उनके इस शो मे बालीवुड की बड़ी हस्तियां अपनी एक्टिंग का तड़का लगाते हुए दिखेंगी. सलमान खान द बैड्स आफ बालीवुड में कैमियो करने वाले स्टार्स में से एक हैं. करण जौहर भी इस सीरीज में कैमियो रोल निभा रहे हैं. इन दोनों के अलावा रणवीर सिंह भी कैमियो रोल में नजर आएंगे मीडिया रिपोर्ट की मानें तो शाहरुख खान, आमिर खान, रणबीर कपूर समेत अन्य बड़े सितारे इसमें नजर आ सकते हैं. यह शो सिर्फ बालीवुड की चमक-दमक और ग्लैमर दिखाने के बारे में नहीं है, बल्कि उम्मीद है कि यह इंडस्ट्री के डार्क साइड को भी उजागर करेगा, जिसमें पर्दे के पीछे के पावर प्ले भी शामिल हैं. रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की निर्मित द बैड्स आफ बालीवुड का प्रीमियर 18 सितंबर, 2025 को होगा. इस सीरीज को आर्यन खान ने बिलाल सिद्दीकी और मानव चौहान के साथ मिलकर लिखा और बनाया है, जबकि बोनी जैन और अक्षत वर्मा सह-निर्माता हैं. द बैड्स आफ बालीवुड का प्रीमियर 18 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर होगा. आर्यन खान की यह सीरीज ब्लैक रैबिट, प्लेटोनिक: ब्लू मून होटल और सेम डे विद समवन से टकराएगी. ये सभी 18 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर आ रही हैं.

मेगास्टार चिरंजीवी का फैंस को तोहफा, विश्वंभरा की पहली झलक आई सामने

आज मेगास्टार चिरंजीवी का जन्मदिन है, इससे पहले ही उन्होंने अपने फैंस को खास तोहफा दिया है। फिल्म विश्वंभरा की पहली झलक में उनका अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो सकते हैं। चिरंजीवी साउथ फिल्मों में अपने एक्शन अंदाज के लिए जाने जाते हैं। फिल्म विश्वंभरा की पहली झलक में भी उनका यही अंदाज देखने को मिला है। इस झलक में एक लड़का और एक बूढ़ा आदमी बातचीत कर रहे हैं। दोनों विश्वंभरा की दुनिया में घटी भयानक घटनाओं पर बात करते हैं। बूढ़ा आदमी एक ऐसे इंसान की बात करता है, जिसके लालच के कारण महाविनाश होता है। उसी मौके पर एक रक्षक सामने आता है। उस रक्षक के तौर पर मेगास्टार चिरंजीवी की एंट्री होती है। एक्शन अंदाज में चिरंजीवी का किरदार बुरे लोगों से लड़ता हुआ नजर आता है। फिल्म विश्वंभरा के साथ एक टैलेंटेड टीम जुड़ी है। प्रोडक्शन डिजाइन एएस प्रकाश ने किया है। सिनेमैटोग्राफर छोटा के. नायडू हैं। आस्कर विनर एमएम कीरवानी ने फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक तैयार किया है। चिरंजीवी की इस फिल्म में वीएफएक्स का काम यूवी क्रिएशंस ने शानदार तरीके से करवाया है। इस फिल्म में चिरंजीवी के साथ एक्ट्रेस तृषा कृष्णन भी नजर आएंगी। साथ ही आशिका रंगनाथ और कुणाल कपूर भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म विश्वंभरा के साथ एक टैलेंटेड टीम जुड़ी है। प्रोडक्शन डिजाइन एएस प्रकाश ने किया है। सिनेमैटोग्राफर छोटा के. नायडू हैं। आस्कर विनर एमएम कीरवानी ने फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक तैयार किया है। चिरंजीवी की इस फिल्म में वीएफएक्स का काम यूवी क्रिएशंस ने शानदार तरीके से करवाया है। इस फिल्म में चिरंजीवी के साथ एक्ट्रेस तृषा कृष्णन भी नजर आएंगी। साथ ही आशिका रंगनाथ और कुणाल कपूर भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

मैं जल्दबाजी में नहीं, बस सही प्रोजेक्ट चुनना चाहती हूं: सई मांजरेकर

अभिनेत्री सई मांजरेकर ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 16 साल की उम्र से की थी। उनका कहना है कि वह सिर्फ व्यस्त रहने या फिर कैलेंडर भरने के लिए काम नहीं करना चाहती बल्कि उन प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहती हैं जो उनको दिल से खुशी दें। अभिनेत्री का मानना है कि उन प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहिए, जो आपको सच में दिल से या रचनात्मक रूप से संतुष्ट करें। अभिनेत्री ने कहा, मैंने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। इन सालों में मैंने यही सीखा है कि कई प्रोजेक्ट्स पर काम करने से ज्यादा जरूरी है, कि सही प्रोजेक्ट्स पर काम करें। मैं सिर्फ व्यस्त रहने के लिए काम नहीं करना चाहती हैं। वह कहती हैं, इस समय मैं उन कहानियों पर काम करना चाहती हूं जो मुझे करने में सच में अच्छी लगें, ऐसे किरदार जो मुझे सच में चुनौती दें, और मेरे अंदर के एक कलाकार को अच्छे से निखारें। सई का मानना है कि प्रोजेक्ट्स में खुद को निखारने, अपनी कला को आजमाने और कुछ अनोखा करने की आजादी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, जब आप जुनून के साथ काम करते हैं, तो उसका असर आपके काम पर नजर आने लगता है। मैं जल्दबाजी में कोई भी गलत फैसला नहीं लेना चाहती, इसलिए सही मौके का इंतजार कर रही हूं। अभिनेत्री ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2012 में मराठी फिल्म काक्षपर्श में खुशी दामले के छोटे से किरदार से की थी। 2019 में उन्होंने सलमान खान के साथ हिंदी एक्शन-कामेडी दबंग 3 में खुशी चौटाला के किरदार से मुख्य अभिनेत्री के रूप में शुरुआत की थी। फिर, साल 2020 में वह आयुष शर्मा के साथ गाने मंझा के म्यूजिक वीडियो में नजर आईं थीं।

पुष्पा इंपासिबल के 1000 एपिसोड पूरे, एक्ट्रेस गरिमा परिहार बोलीं, लोगों की कहानियां कहता है ये शो

सब टीवी के फेमस धारावाहिक पुष्पा इंपासिबल ने अपने 1,000 एपिसोड पूरे कर लिए हैं। इस उपलब्धि का पूरी टीम ने जश्न मनाया। टीवी सीरियल के 1,000 एपिसोड पूरे होने पर एक्ट्रेस गरिमा ने कहा, ये सफर बहुत ही खास फील हो रहा है। इसके लिए मैं बहुत ही उत्साहित हूं। मुझे इसके शूट का पहला दिन आज भी याद है। तब हमने नहीं सोचा था कि हम यहां तक पहुंचेंगे। ये माइलस्टोन मेरे लिए भावुक कर देने वाला पल है। इस शो का दर्शकों के साथ इतना खास कनेक्शन क्यों है? आपको क्या लगता है लोग इससे इतना कैसे जुड़ रहे हैं? इसका जवाब देते हुए एक्ट्रेस ने कहा, शो कई कहानियां कहता है, जिनसे लोग अपनी रोजमर्रा की जिंदगी से रिलेट कर पाते हैं। उदाहरण के लिए, एक बहू का अपनी सास से दुखी होना, परिवार के लोगों के बीच बंटी जिम्मेदारियां और एक मां का आगे पढ़ाई करने का फैसला। पूरा परिवार कैसे एक-दूसरे को सपोर्ट करता है, ये बहुत ही रियल और दिल जीतने वाला है। इसकी सफलता का सबसे बड़ा राज इसके परिवार के बीच भावनात्मक रिश्ता है, जो शो में साफ दिखाई देता है। पुष्पा की जिंदगी दुखों से भरी है, लेकिन वो और उसकी फैमिली कैसे उनसे साथ में निपटी, यही इसकी खासियत है।

सोनी राजदान और सबा आजाद की सान्ग्स आफ पैराडाइज का ऐलान, कश्मीर की पहली सिंगर पर बेस्ड है फिल्म, मोशन पोस्टर आउट

प्राइम वीडियो के फिल्म सान्ग्स आफ पैराडाइज के प्रीमियर की घोषणा को हो गई है. यह फिल्म पद्मश्री पुरस्कार विजेता राज बेगम की खास कहानी और सफर पर आधारित है. एक्सेल एंटरटेनमेंट के प्रेजेंटेशन में और एप्पल ट्री पिक्चर्स प्रोडक्शन और रेनजू फिल्म्स प्रोडक्शन के प्रोडक्शन में बनी यह कहानी संगीत, हिम्मत और कश्मीर की पहली मशहूर प्लेबैक सिंगर की मजबूत भावना को दिखाती है, जिन्होंने न सिर्फ वहां की महिलाओं को प्रेरित किया बल्कि इंडस्ट्री में एक नई दिशा भी दी. डायरेक्टर दानिश रेनजू द्वारा निर्देशित और उनके साथ निरंजन अयंगर और सुनयना काचरू द्वारा लिखित, सान्ग्स आफ पैराडाइज में शानदार कास्ट है, जिसमें सबा आज़ाद और सोनी राज़दान मुख्य भूमिका में नूर बेगम के रूप में दो अलग-अलग समयों में नजर आएंगी, साथ ही ज़ैन खान दुर्रानी, शीबा चड्ढा, तारुक रैना और लिलेट दुबे भी हैं. घाटी की खूबसूरत पृष्ठभूमि के साथ यह फिल्म हिम्मत, पहचान और साहस को दिखाती है. सान्ग्स आफ पैराडाइज 29 अगस्त को भारत और 200 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर प्रीमियर होगी.मनीष मेंघानी, डायरेक्टर और हेड आफ कंटेंट लाइसेंसिंग, प्राइम वीडियो, इंडिया ने कहा, प्राइम वीडियो में, हम ऐसी कहानियों में विश्वास रखते हैं जो मनोरंजन करें, प्रेरित करें और हमारे दर्शकों से गहरा जुड़ाव बनाएं. उन्होंने आगे कहा, सान्ग्स आफ पैराडाइज एक नई और भावनात्मक कहानी पेश करती है, जो कश्मीर के समृद्ध संगीत परंपरा पर आधारित है और हिम्मत और स्वतंत्रता की कम जानी-पहचानी सच्ची कहानी दिखाती है, जिसमें शानदार अभिनय और विरासत है. हमें खुशी है कि हम इस दिल छू लेने वाली कहानी को एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ अपनी साझेदारी के जरिए 200 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में दर्शकों तक पहुँचा रहे हैं. एक्सेल एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी ने कहा, सान्ग्स आफ पैराडाइज एक ऐसी कहानी है जो कश्मीर की संस्कृति, भावनाओं और उम्मीदों को दिखाती है. यह फिल्म पद्म श्री विजेता नूर बेगम के जीवन के पों को खूबसूरती से खोलती है, जिनकी आवाज ने न केवल कश्मीर को गर्व महसूस कराया बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित किया. हमें दानिश रेनजू के साथ मिलकर इस खास और दमदार कहानी को प्राइम वीडियो के साथ मिलकर पेश करने की खुशी है. प्राइम वीडियो हमारा सच्चा साथी है, जो हमारे विजन को शेयर करता है और हमें इस कहानी को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचाने में मदद करता है. फिल्म के डायरेक्टर और राइटर दानिश रेनजू ने कहा, फिल्म सान्ग्स आफ पैराडाइज, पद्म श्री विजेता राज बेगम को एक दिल से दी गई श्रद्धांजलि है. वह रेडियो कश्मीर की पहली महिला आवाज़ थीं. यह फिल्म उनकी संगीत, विरासत और हिम्मत से प्रेरित एक भावुक कहानी बताती है, खासकर उस समय की जब समाज ने महिलाओं को भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से बांध रखा था. यह एक ऐसी महिला की कहानी है जिसने सपने देखने की हिम्मत की, जबकि उस समय सपने देखना भी एक तरह से मना था. सबा आज़ाद और सोनी राज़दान ने इस खास कहानी में मुख्य किरदार को दो अलग-अलग उम्र में बहुत खूबसूरती से निभाया है। इनके साथ-साथ और भी कई कलाकारों ने बेहतरीन काम किया है. प्राइम वीडियो की वजह से अब दुनिया भर के दर्शक उनकी कहानी देख पाएंगे, एक ऐसी कहानी जो सम्मान की हकदार है.

र्षवर्धन राणे-सोनम बाजवा की एक दीवाने की दीवानियत का नया पोस्टर जारी, आज रिलीज होगा टीजर?

सनम तेरी कसम फेम एक्टर हर्षवर्धन राणे अब एक और लव स्टोरी लेकर आने वाले हैं। अनाउंसमेंट के बाद से ही उनकी आगामी फिल्म एक दीवाने की दीवानियत को लेकर फैंस उत्साहित हैं। अब फिल्म एक्टर ने फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट साझा किया है। साथ ही फिल्म के टीजर को लेकर भी जानकारी दी है। हर्षवर्धन राणे ने अपने इंस्टाग्राम पर आज फिल्म से जुड़ा एक नया पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर में आग लगी हुई है, जो दिल के आकार में नजर आ रही है। इस जलते हुए दिल के अंदर फिल्म के लीड एक्टर हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा नजर आ रहे हैं। पोस्टर में सोनम बाजवा गुस्से में नजर आ रही हैं, जबकि हर्षवर्धन राणे की आंखों से आंसू बह रहे हैं। इस पोस्टर के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट और टीजर के सामने आने की तारीख भी मेकर्स ने जारी कर दी है। पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, इस दीवाली दीये ही नहीं, दिल भी जलेंगे। मोहब्बत से टकरायेगी नफरत, आग लगाएगी दीवानों की दीवानियत। इसके साथ ही मेकर्स ने बता दिया है कि एक दीवाने की दीवानियत इस साल दीवाली पर 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जबकि इस रोमांटिक फिल्म का टीजर आज यानी 22 अगस्त को रिलीज किया जाएगा। रिलीज डेट सामने आते ही ये भी साफ हो गया है कि हर्षवर्धन राणे की टक्कर बाक्स आफिस पर आयुष्मान खुराना के साथ होगी। दरअसल, दीवाली पर ही दिनेश विजन के हारर-कामेडी यूनिवर्स की फिल्म थामा भी रिलीज होने वाली है। ऐसे में अब एक दीवाने की दीवानियत का मुकाबला बाक्स आफिस पर थामा से होने वाला है। हाल ही में थामा का टीजर सामने आया है, जिसे काफी पसंद किया गया है और दर्शक इस फिल्म के लिए काफी उत्साहित भी हैं। वहीं हर्षवर्धन राणे की फैन फालोइंग और सनम तेरी कसम के बाद उनकी ये अगली रोमांटिक फिल्म है। इसलिए इस फिल्म को लेकर भी लोगों में उत्साह है। ऐसे में संभव है कि इस दीवाली एक रोमांचक बाक्स आफिस क्लैश देखने को मिल सकता है। रिलीज डेट सामने आते ही ये भी साफ हो गया है कि हर्षवर्धन राणे की टक्कर बाक्स आफिस पर आयुष्मान खुराना के साथ होगी। दरअसल, दीवाली पर ही दिनेश विजन के हारर-कामेडी यूनिवर्स की फिल्म थामा भी रिलीज होने वाली है। ऐसे में अब एक दीवाने की दीवानियत का मुकाबला बाक्स आफिस पर थामा से होने वाला है। हाल ही में थामा का टीजर सामने आया है, जिसे काफी पसंद किया गया है और दर्शक इस फिल्म के लिए काफी उत्साहित भी हैं। वहीं हर्षवर्धन राणे की फैन फालोइंग और सनम तेरी कसम के बाद उनकी ये अगली रोमांटिक फिल्म है। इसलिए इस फिल्म को लेकर भी लोगों में उत्साह है। ऐसे में संभव है कि इस दीवाली एक रोमांचक बाक्स आफिस क्लैश देखने को मिल सकता है।

Man jumps into Parliament House premises, chaos ensues

New Delhi, Once again, chaos ensues due to an unwanted person entering the Parliament House. The person entered the Parliament House premises by jumping over the wall, after which he was caught as soon as the security personnel noticed him. He had climbed a tree and entered the building through the wall. The incident is said to have happened at 6:30 in the morning. The incident happened at a time when the monsoon session of Parliament has been adjourned indefinitely on Thursday. According to reports, the accused person entered the premises of Parliament House by jumping over the wall from the Rail Bhavan side and reached the Garuda gate of the new Parliament building. The security personnel have taken the accused into custody. He is being questioned. The Parliament security force will hand over the accused to the Delhi Police after questioning him. Questions have again been raised about the security of Parliament in the case. On December 13, 2023, during Zero Hour in Parliament, Sagar Sharma and Manoranjan D suddenly jumped from the visitors' gallery into the Lok Sabha House and blew yellow gas from a gas canister while jumping on the benches. At the same time, outside the Parliament, Neelam and Amol Shinde blew colored gas by shouting "Tanashahi Nahi Chalegi". Delhi Police arrested 'masterminds' Lalit Jha, Sagar Sharma, Manoranjan, Neelam Azad, Amol Shinde and Mahesh. Neelam and Mahesh are on bail.

Car collides with truck on Eastern Peripheral Expressway in Greater Noida, three dead; 3 injured

New Delhi/Noida, A tragic accident took place near Akbarpur Toll Plaza on Eastern Peripheral Road of Greater Noida. A car hit a parked truck from behind. Due to which 6 people in the car were injured. On receiving the information, Dadri police station reached the spot and admitted the injured to the hospital. Where three youths Gaurav, Lokesh and Gautam died during treatment. While Lalit Arvind and Kuldeep have also been injured. Whose treatment is going on. On receiving the information, the family members of the deceased have also reached the spot. The police have taken the car and the truck into custody and started investigating the causes of the accident. According to Noida Police, a car hit a truck from behind on Eastern Peripheral near Akbarpur Toll Plaza in Greater Noida. There were six people in the car, who were taken to the hospital for treatment where three died. Thana Chhainsa, Faridabad (Haryana) aged about 31 years was declared dead by the doctor. The car passengers were going from Haridwar to Faridabad. Dadri police reached the spot and with the help of crane and hydra, cut the car and took out the trapped people. Greater Noida Additional DCP Sudhir Kumar said that the Panchnama of the dead bodies has been done and the bodies have been sent for postmortem. The truck and car have been seized and other necessary action is being taken. Traffic has been normalized at the spot.

Brief news

NRI businessman Lord Swaraj Paul dies in London, PM Modi condoles

New Delhi, Leading industrialist Lord Swaraj Paul died in London on Thursday evening. He was around 94 years old. The news of his death has been given by his family. According to the latest information, Prime Minister Narendra Modi has also condoled the death of NRI businessman Swaraj Paul. Sharing a post on social media 'X', he wrote that I am deeply saddened by the death of Shri Swaraj Paul ji. His contribution to industry, philanthropy and public service in Britain and his unwavering support for close relations with India will always be remembered. I miss our many meetings. Condolences to his family and fans. ? Peace. Let us tell you, Lord Paul, the founder of the UK-based Kaparo Industries Group, recently fell ill and was admitted to the hospital. He breathed his last in front of his family. Swaraj Paul, a member of the House of Lords, was born in Jalandhar and moved to Britain in the 1960s for the treatment of his daughter Ambika. According to the information, after Ambika's death at the age of just 4 years, an NRI businessman established 'Ambika Paul Foundation'. This foundation has

Transgender woman accuses Congress MLA Rahul Mamkutathil in Kerala

» Said - wanted to rape

Thiruvananthapuram, The troubles of Kerala Youth Congress state president and Palakkad MLA Rahul Mamkutathil are increasing. After Malayalam actress Rini N George and writer Honey Bhaskaran accused him of harassment, now a transgender woman has also made a serious allegation against Rahul. The transgender woman alleged that Rahul had expressed his desire to have a relationship with her by sending her mobile messages. The woman said that Rahul often sent her disgusting messages. Transgender woman Avantika said, "I met Rahul in a media debate during the Thrikkakara by-election campaign. After this, I sent him a friend request on social media. We soon became good friends. Initially, he used to call me after 11 pm. He often sent me obscene messages and once he expressed his desire to have sex like rape. I told the Congress leaders about this." After being accused of sexual harassment, Rahul resigned from the post of state youth president on Thursday. He said that he is not leaving the post because he is wrong, but is delaying his resignation keeping the party in mind. He said that the party workers have a lot of work to do before the assembly-panchayat elections. They cannot waste time in justifying me. This is his personal responsibility. Congress is conducting an internal investigation against him.

Delhi's new Police Commissioner Satish Golcha took charge, has played many important roles

New Delhi, Senior IPS officer Satish Golcha took charge as the 26th Commissioner of Delhi Police on Friday. He replaced S B K Singh, who remained in this post for only 21 days. Golcha, a 1992-batch officer of the Arunachal Pradesh-Goa-Mizoram and Union Territories (AGMUT) cadre, took charge at the Delhi Police headquarters. The Home Ministry had issued the appointment order on Thursday. The order was issued a day after Delhi Chief Minister Rekha Gupta was attacked during a public hearing at her Civil Lines office on Wednesday. However, officials clarified that the appointment has no connection with the attack. Golcha will serve till April 2027. He is known for his forthright approach and played a decisive role as Special Commissioner of Police (Law and Order) during the 2020 north-east Delhi riots. His predecessor, 1988-batch officer S B K Singh, had the shortest tenure as Delhi Police chief, taking over on August 1 after the retirement of Sanjay Arora. Satish Golcha's tenure has been full of diverse responsibilities. Satish Golcha has served in important positions like DCP, Joint CP and Special CP (Law and Order), Special CP (Law and Order and Intelligence) in Delhi Police. His role in handling law and order during the riots in North-East Delhi in the year 2020 was particularly noteworthy. From the year 2022 to 2023, he was the Director General of Police of Arunachal Pradesh, where he took tough and practical decisions regarding insurgency and security in border areas, which improved law and order significantly. After this, Golcha was appointed Director General of Tihar Jail in April 2024. Giving Satish Golcha the charge of Delhi Police Commissioner is being considered timely and strategic for many reasons. Experience and seniority make him reliable in decision-making situations. Golcha has a deep understanding of the social-security challenges of Delhi. His experience of coordination between the prison and police system can be particularly useful. His political impartiality and systemic discipline can ensure administrative stability. However, the challenge before Satish Golcha will be how he strikes a balance between the functioning of the police force and the long-term reform process of the prison. If administrative coordination and public trust increase under his leadership, he can become a strong contender for a permanent appointment. Now it will be interesting to see how he gives direction to the multi-layered law and order of the capital Delhi. Delhi Police Mahasangh President and former ACP Ved Bhushan says that to control crime and strengthen law and order in Delhi, there was a demand to appoint an IPS officer of Delhi cadre as Police Commissioner. Satish Golcha also belongs to Delhi cadre and is the most senior and experienced officer. His appointment as Delhi Police Commissioner will strengthen the security system of the capital.

Stray dogs will be released after sterilization and vaccination, big order of Supreme Court

New Delhi, Supreme Court has given its verdict on stray dogs on the streets of Delhi-NCR. Court said that the dogs that have been caught should be released after sterilization and vaccination. Court also ordered that rabies infected or violent dogs should not be released. Court said that dogs should not be fed in public places. Earlier, court had ordered to send stray dogs to dog shelters. Court said that Municipal Corporation will have to catch the dogs and give them deworming medicine, vaccination etc. and then leave them in the same area from where they were caught. Court said that special areas will be made in every area to feed the dogs. Apart from this, feeding dogs in public places will be prohibited. Action will be taken for not following the order. Court said that no person or organization will interfere in these services. The court said that this order will be implemented in the entire country along with Delhi-NCR areas. Notice has been issued to all the state governments for this and all the cases pending in the High Court have been transferred to the Supreme Court. The court said that feeding zones will be created to feed the dogs at a fixed place, for which the NGO will be given an amount of Rs 25,000. Many petitions were filed in the Supreme Court on the issue of stray dogs. After hearing them, the bench of Justice Vikram Nath, Justice Sandeep Mehta and Justice NV Anjaria reserved the decision. Earlier on August 11, a bench of 2 judges had ordered the removal of stray dogs within 8 weeks. When this decision was opposed, a new bench heard the case. The government had said, "Some people eat chicken, eggs and are claiming to be animal lovers. This issue must be resolved. Children are dying. Dogs will not be killed, only separated. Sterilization does not stop rabies. Even if you vaccinate, children's mutilation does not stop. 37 lakh annually, that is 10,000 daily. These are deaths due to dog bites. We cannot send children to play in the open.

Police did not allow the National Minority Conference to take place in Bangladesh

Dhaka (Bangladesh), Bangladesh Police did not allow the National Minority Conference to take place in Dhaka today. The organizers have accused the police of creating obstacles at the last moment. Police say that the organizers did not take permission for the conference. The conference was to be held at Krishibid Institution Bangladesh (KIB) in Khamarbari area of Dhaka at 10 am today. According to the news of The Daily Star newspaper, Tejgaon Police Station Incharge Mohammad Mubarak Hussain said that the National Minority Conference was not allowed to start due to not taking permission from Dhaka Metropolitan Police (DMP). He said that whether the program is indoor or outdoor, DMP approval is necessary for such events. The theme of the National Minority Conference of Sankhyalogu Adhikar Andolan (Minority Rights Movement) was decided as 'From the mountains to the plains, stand firm to protect existence'. In the middle of the conference, a documentary was to be screened on the communal attacks in Bangladesh in the last 54 years. It is reported that participants from across the country reached KIB this morning, but they were not allowed to enter. Tarun Kumar Roy, who came from Nilphamari, said, "I reached Dhaka at around 8:00 am today to attend the program. When I went to KIB from there, the police told me that the conference would not take place." It is noteworthy that the organizers had demonstrated their final preparations by going live on Facebook from the auditorium of KIB yesterday. According to The Daily Star, before noon today, at around 11:45 am, the organizers tried to hold a press conference by hanging a banner in front of the entrance of KIB. The police intervened and did not allow the press conference to take place. After this, the organizers went away and talked to the journalists. Minority Rights Movement convenor Sushmita Kar said, "Due to unavoidable reasons, we had to postpone the conference. The next date will be announced soon."

After Ahmedabad, now a class 8 student was stabbed by a classmate in Balasinor

Ahmedabad, After a class 8 student stabbed a class 10 student in Ahmedabad, Gujarat, a similar case has come to light in Balasinor town of Kheda district. According to the report, the incident took place in a primary school. Here a class 8 student was attacked with a knife by his classmate, leaving him seriously injured. The student has been admitted to a private hospital. The police have registered a case. According to the report, there was a dispute between the students in the school over something. Both of them asked each other to look outside. After school was over, a student attacked another student with a knife near the Talav Darwaza gate. The student has been stabbed in 3 to 4 places. It is being told that the student had arranged for the knife after the school was over. The police have arrested the accused student. A few days ago, there was an argument between Nayan, a class 10 student, and a class 8 student at Seventh Day Adventist School in Khokhara, Ahmedabad. On Tuesday, the class 8 student stabbed Nayan in his pants during recess. The student died on Wednesday during treatment. After this, a ruckus has spread in Ahmedabad. The angry mob attacked and vandalized the school. The incident is being given a communal color.